C M Y K

आज का विचार

ईश्वर पर उस बच्चे की तरह विश्वास करो, जिसे आप हवा में उछालते हैं, तो वो डरता नहीं बल्कि हंसता है, क्योंकि वो जानका है कि आप उसे गिरने नहीं देंगे।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-97 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

यात्रा से पूर्व ट्रेनों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए एनटीईएस का करें उपयोग

रायपुर, सोमवार 9 जून , 2025

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 बनी 2025 की सबसे बड़ी ओपनर,

पहला कॉलम

दिल्ली- एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ने पर ग्रैप का पहला चरण लागू, रहेंगी कई पाबंदियां

नई दिल्ली,08 जून (ए)। दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के पहले चरण को लागू कर दिया है. दिल्ली में 7 जून, 2025 को दर्ज किए गए एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 209 (खराब श्रेणी) को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. मौसम विभाग व भारतीय उष्णदेशीय मौसम संस्थान (आईएमडी/आईआईटीएम) की ओर से आगामी दिनों में भी खराब श्रेणी की हवा की आशंका जताई गई है. सीएक्यूएम की उप-समिति ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के बाद ग्रैप के 27-बिंदु वाले एक्शन प्लान को तुरंत प्रभाव से लागू किया है, जिससे वायु गुणवत्ता को और ज्यादा बिगड? से रोका जा सके. दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है. कई इलाकों में एक्यूआई 'खराब' श्रेणी (201-300) में दर्ज किया गया है. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने नागरिकों से अपील की है कि वे ग्रैप स्टेज-1 में बताई गई बातों का पालन करें. वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा है कि सभी संबंधित एजेंसियों को ग्रैप के तहत तय की गई समयसीमा व दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा. विशेष रूप से धूल नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा. सीएक्यूएम आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा करता रहेगा.

कुछ अलग

देश में कोरोना वायरस के मामले 6,000 पार, केरल-गुजरात सबसे ज्यादा प्रभावित

नईदिल्ली,08 जून (ए)। देश में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 6,000 को पार कर गई है। बीते दिन 378 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद सक्रिय मामलों की संख्या 6,133 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 1,950 मरीज हैं। राजधानी दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है।

बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमित 6 लोगों की मौत हुई है। केरल में 3, कर्नाटक में 2 और तमिलनाडु में एक व्यक्ति की जान गई है।

बीते 24 घंटे में दिल्ली में 21, गुजरात में 105, हरियाणा में 15, केरल में 144, महाराष्ट्र में 18, राजस्थान में 24, पश्चिम बंगाल में 71, उत्तर प्रदेश में 11 और पंजाब में 9 नए मरीज मिले हैं।

अब आंध्र प्रदेश में 86, दिल्ली में 686, गुजरात में 822, हरियाणा में 102, कर्नाटक में 366, केरल में 1,950, महाराष्ट्र में 595, राजस्थान में 132, पश्चिम बंगाल में 693, 71 और उत्तर प्रदेश में 219 सक्रिय मरीज हो गए हैं।

दिल्ली समेत कई राज्यों में फिर से मास्क पहनने और भीड़-भाड़ से बचने की सलाह दी गई है।

खरी-खरी

'वापस लौट जाओ, तुम गाजा नहीं पहुंचोगे', इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग के जहाजी बेड़े को रोकने का दिया आदेश

इजरायल। इजरायल और गाजा के बीच तनाव एक बार फिर सुर्खियों में है। इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) को गाजा जा रही एक नौका् मदलीन को रोकने का आदेश दिया है।

दरअसल, इस नौका में कथित जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित १२ यात्री सवार हैं, जो फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन (एफएफसी) के तहत गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए निकले हैं। उनके इस कदम को गाजा में इजरायल की नाकेबंदी के विरोध के रूप में देखा जा रहा है।

इस घटना ने वैश्विक स्तर पर विवाद को जन्म दिया है, जिसमें ब्रिटेन की भूमिका और अमेरिकी सीनेटर की टिप्पणी ने भी चर्चा को और गर्म कर दिया है।

इजरायल का कड़ा रुख

इजरायल के विदेश मंत्री काट्ज ने शनिवार को एक बयान में कहा कि मैंने आईडीएफ को निर्देश दिया है कि मदलीन को गाजा न पहुंचने दिया जाए। उन्होंने ग्रेटा थनबर्ग और अन्य कार्यकताओं को च्चहमास का प्रचारकज्ज करार दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि वे गाजा नहीं पहुंच पाएंगे।

काट्ज ने इसे इजरायल की संप्रभुता के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि सेना समुद्र, हवा और जमीन पर किसी भी च्चआतंकी संगठनोंज्ज की सहायता को रोकने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। इजरायल ने इस नौका को उकसावे की कार्रवाई व कार्यकताओं को आतंकवाद का समर्थक करार दिया है।

फ्रीडम फ्लोटिला का मिशन

मदलीन नौका सिसिली से रवाना हुई। इसमें ग्रेटा थनबर्ग, ब्राजीलियाई कार्यकर्ता थियागो आविला, यूरोपीय संसद की फ्रांसीसी-फिलिस्तीनी सदस्य रीमा हसन और गेम ऑफ थ्रोन्स अभिनेता लियाम कनिंघम शामिल हैं। यह मिशन गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने और इजरायल की च्चअवैध नाकेबंदी और नरसंहारज्ज का विरोध करने के लिए शुरू किया है। नौका ने रास्ते में सूडानी शरणार्थियों को भी शामिल किया, जिससे इसकी वैश्विक अपील को और बढ़ाया जा सके।

ब्रिटेन की प्रतिक्रिया और राजनयिक तनाव

द टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार ब्रिटेन ने इजरायल के अनुरोध को ठुकराते हुए नौका को इजरायली जलक्षेत्र में प्रवेश से रोकने से इनकार कर दिया है। ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि वे केवल तभी हस्तक्षेप करेंगे, जब नौका या यात्रियों की सुरक्षा को खतरा होगा। उन्होंने इजरायल से नौका और उसके यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इजरायली अधिकारियों ने इसे च्चसेल्फी फ्लोटिलाज्ज कहकर तंज कसा।

ग्रेटा का अमेरिकी सीनेटर को जवाब

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने ग्रेटा की भागीदारी पर तंज कसते हुए कहा कि उम्मीद है ग्रेटा और उनके दोस्त तैर सकते हैं! ग्रेटा ने डेमोक्रेसी नाउ को दिए साक्षात्कार में इसका जवाब देते हुए कहा कि हम बहुत अच्छी तरह तैर सकते हैं। यह मजाक उनकी प्राथमिकताओं को दशार्ता है, जो नरसंहार और भुखमरी के सामने शर्मनाक है। यह बयान सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है।

उत्तर भारत में गर्मी ने फिर बरपाया कहर, मौसम विभाग की इन राज्यों के लिए चेतावनी

नईदिल्ली,08 जून (ए)। उत्तर भारत में तापमान बढ़ने के साथ फिर लू चलने लगी है और उमस पसीने छुड़ा रही है। आने वाले 4-5 दिनों तक भीषण गर्मी कहर बरपाएगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश में तापमान 40 डिग्री के पार जा सकता है।

पूर्वोत्तर और दक्षिण राज्यों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, वहीं छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में आंधड़ के साथ बारिश हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में भी आसमान से आग बरसने लगी है, जिसके चलते तापमान 39 से 41 डिग्री तक पहुंच गया है। प्रदेश में 10 जून के बाद हल्की बारिश की संभावना है, जिससे राहत मिल सकती है।

बिहार में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 30 डिग्री तक पहुंचने से लोग भीषण गर्मी का कहर झेल रहे हैं। कुछ पूर्वी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की फुहारें गिर सकती हैं।

मध्य प्रदेश में भी उमस-गर्मी से लोग बेहाल हैं।

राजस्थान में फिर से गर्मी का दौर लौट आया है। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है।

इसके चलते जैसलमेर, बीकानेर में पारा 45 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया है। प्रदेश की राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान में 5 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटे में 1-2 डिग्री की वृद्धि के साथ तापमान 46 डिग्री के पार जा सकता है।

दिल्ली में गर्मी फिर से जोर पकड? लगी है। शनिवार को आया नगर का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री तक पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार (8 जून) को आसमान साफ रहेगा, जिससे गर्मी का अहसास तेज होगा। इस दौरान 20-30 किमी/घंटा की गति से धूल भरी हवा चल सकती है।

सोमवार और मंगलवार को भी तेज हवाएं चलने के आसार हैं, जबकि मंगलवार को तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 9-12 जून को मध्यम से भारी बारिश और गरज चमक की संभावना है।

अगले 3-4 दिन में दक्षिण भारत में मानसून फिर से सक्रिय हो सकता है।

रविवार को मुंबई, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। शनिवार को मुंबई में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश भी हुई है।

मध्य प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है।

आप और कांग्रेस ने झुग्गीवासियों को वर्षों तक मूर्ख बनाया: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 8 जून (ए)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस पर झुग्गीवासियों को वर्षों तक बेवकूफ बनाने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया।

जेजे क्लस्टर, नेहरू कैंप, हैदरपुर में 24 सीटर जन सेवा शिविर (जेएससी) के निर्माण कार्य का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करना सरकार की जिम्मेदारी है और दिल्ली सरकार अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने की राह पर आगे बढ़ रही है।

मीडिया से सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारों ने झुग्गीवासियों को मूर्ख बनाया था और उनसे कहा था कि वे भाजपा को वोट न दें।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और शीला दीक्षित की सरकार ने झुग्गीवासियों के लिए कोई काम नहीं किया। महज धनराशि की घोषणा की, लेकिन दिल्ली की भाजपा सरकार 700 करोड़ रुपये की लागत से राजधानी में विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है।

दिल्ली में झुग्गियों पर कोर्ट के आदेश के बाद तोडफोड़ कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी की ओर से सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों पर रेखा गुप्ता ने कहा कि उन्हें मकान देने के बाद ही झुग्गियां हटाई जाएंगी।

बारापुला नाले के पास स्थित मद्रासी कॉलोनी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि अदालत ने इसे हटाने के लिए कहा है, ताकि नाले की सफाई के लिए मशीनें वहां पहुंच सकें। ऐसा न होने पर दिल्ली को 2023 जैसी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। रेलवे कॉलोनी में हुई कार्रवाई पर उन्होंने कहा, लोगों ने पटरियों के पास घर बना लिए हैं। अगर कोई अप्रिय घटना हुई, अगर पटरियों के नीचे आकर किसी की मौत हो गई, तो कौन जिम्मेदार होगा, आतिशी, अरविंद केजरीवाल या सौरभ भारद्वाज?

झुग्गियों में रहने वाले कुछ लोगों के व्यवहार पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं वजीरपुर झुग्गी में 1,675 फ्लैट दिए, लेकिन यदि वहां रहने वाले लोग यह सोचेंगे कि वे फ्लैट ले लेंगे और वहीं (झुग्गियों में) रहना जारी रखेंगे, तो यह नहीं चलेगा।

क्षेत्र में सुविधाओं की कमी के लिए पिछली सरकारों की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि वहां न तो नालियां थीं, न ही बच्चों के लिए खेल के मैदान और महिलाओं के लिए शौच और स्नान के लिए कोई स्थान था।

सीएम गुप्ता ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि झुग्गी-झोपडि?ों में रहने वाली महिलाओं के लिए स्नानघर की सुविधा हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार पांच से छह स्नानघर बनाएगी और नालियां बनाएगी ताकि यहां के लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि दिल्ली में देश भर से लोग काम करने के लिए आए हैं और सरकार उनके लिए काम करना जारी रखेगी।

मणिपुर में फिर हिंसा: प्रदर्शनकारियों ने आत्मदाह की कोशिश की, इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लगाया गया

इंफाल,08 जून (ए)। कुछ दिनों तक शांत रहे मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। मणिपुर के इम्फाल पश्चिम में शनिवार रात को एक मैतेई नेता की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थक आग-बबूला हो गए। इसके बाद पूरे इलाके में हिंसक प्रदर्शन हुए, प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और आत्मदाह की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने पर बिष्णुपुर में कर्फ्यू लगाया गया है और कई जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

शनिवार रात को सुरक्षाबलों ने मैतेई संगठन अरामबाई तेंगगोल के एक नेता को गिरफ्तार किया था। इस नेता का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन दावा किया जा रहा है कि ये कानन सिंह है। इस गिरफ्तारी के बाद मैतेई लोग उग्र हो गए और राजधानी इंफाल में कई जगह हिंसक प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों से झड़प भी हुई।

इंफाल पूर्व के खुरई लामलोंग में भीड़ ने एक बस को आग के हवाले कर दिया। प्रशासन ने शनिवार रात से अगले 5 दिनों के लिए घाटी के पांच में वीपीएन सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को निलंबित कर दिया है। इनमें इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर शामिल है।

बिष्णुपुर जिले में पूर्ण कर्फ्यू लगाया गया है, जबकि इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल और काकचिंग में 5 या इससे ज्यादा लोगों के इका होने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

राजभवन की ओर जाने वाली सड़कों की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

लोगों में खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा रहा है। इसके बाद तुलिहाल में सैकड़ों लोग इंफाल हवाई अड्डे के गेट के बाहर इका हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने हवाई अड्डे की सड़क को अवरुद्ध कर दिया और पूरी रात यहां पहरा देते रहे।

विरोध प्रदर्शनों में 2 पत्रकार और एक अन्य नागरिक के घायल होने की खबर है। अभी तक किसी की मौत की जानकारी नहीं है।

अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में अरामबाई तेंगगोल ने आज से घाटी के जिलों में 10 दिन के पूर्ण बंद की घोषणा की है।

वहीं, हिंसा के बीच भाजपा के राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा का एक वीडियो सामने आयाा है। इसमें वे सड़क पर सुरक्षाकर्मियों से कहते रहे हैं, रहमने शांति लाने की बहुत कोशिश की। अगर आप ऐसी बातें करेंगे, तो शांति कैसे कायम होगी? मुझे और मेरे साथ आए विधायक को गिरफ्तार कर लो।

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई, 2023 से हिंसा जारी है। इस हिंसा में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, 1,500 से ज्यादा घायल हुए हैं और हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

हिंसा नहीं रोक पाने के दबाव के चलते 9 फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था।

11 वर्षों में नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 8 जून (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अपने कार्यकाल के 11 साल पूरे कर चुकी है। पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 51 सेकंड के एक वीडियो को पोस्ट कर बताया कि 11 वर्षों में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं। पीएम मोदी की ओर से उनके 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में इस वीडियो में बताया गया है। उज्ज्वला योजना के तहत लाखों महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले, जिससे उनकी सेहत और जीवनशैली में सुधार हुआ। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान ने लैंगिक समानता और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आसान ऋण प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान स्वामित्व ने उनकी सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया। इन योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति में भी योगदान दिया है।

विदेश जाकर करें फैशन डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आपको फैशन डिजाइनर बनने में इंटरेस्ट है और आप विदेश जाकर इसका कोर्स करना चाहती हैं, तो यहां हम आपको ऐसी 4 यूनिवर्सिटी के बारे में बताएंगे जहां से आप फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं।

आज के समय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। इस कोर्स को करने के बाद कैंडिडेट न केवल आउटफिट डिजाइनर बनते हैं, बल्कि आप इसके बाद जूते, हैंडबैग, आईवियर, टेक्सटाइल आदि किसी भी चीज के लिए डिजाइनर बन सकते हैं। अगर आपको भी फैशन डिजाइनिंग कोर्स करने और डिजाइनर बनने में दिलचस्पी है और आप इसके लिए फॉरेन जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, तो यहां हम आपके लिए विदेश स्थित कुछ ऐसे विश्वविद्यालय के बारे में बताएंगे, जहां से आप इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, फैशन डिजाइनिंग के लिए दुनिया के टॉप 5 विश्वविद्यालयों में से एक है। इंग्लैंड के मैनचेस्टर में स्थित इस यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी), इंटरनेशनल फैशन मार्केटिंग, फैशन टेक्नोलॉजी में बैचलर ऑफ साइंस, फैशन मार्केटिंग में बैचलर ऑफ साइंस और फैशन में बैचलर ऑफ साइंस जैसे पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। बात इसकी फीस की करें तो यहां की सालाना फीस करीब 32.62 लाख रुपये है।

हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी

द हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय, फैशन और टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स जैसे कई पाठ्यक्रमों प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 33.9 लाख रुपये है। अगर आप विदेश जाकर पढ़ना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अपना समर्थ भी देखना होगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी

ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी से आप फैशन का कोर्स कर सकते हैं। ये बैचलर ऑफ डिजाइन, फैशन एंड टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स, बैचलर ऑफ क्रिएटिव इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल स्टडीज और बैचलर ऑफ डिजाइन (फैशन एंड टेक्सटाइल्स) जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 12.36 लाख रुपये है।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित कॉर्नेल विश्वविद्यालय भी फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है। यह बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन मैनेजमेंट और बैचलर ऑफ आर्ट्स फैशन डिजाइन नामक दो प्रमुख पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस यूनिवर्सिटी की सालाना फीस करीब 54.43 लाख रुपये है।

इन सस्ते और बेहतरीन कोर्स से बना सकते हैं करियर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कर्मचारियों से कुछ एक्स्ट्रा सभी को अच्छा लगता है, लेकिन कंपनियों की उम्मीदों पर खरा उतर पाना शायद किसी के लिए आसान नहीं। इंटरव्यू की बात हो या पहले से ही की जा रही नौकरी में प्रमोशन की हर जगह कुछ एक्स्ट्रा की मांग होती है। यही नहीं अब तो घर में बैठे फ्रीलांस करना हो तो भी लोगों से कई तरह से सर्टिफिकेट मांगे जाते हैं। तो क्यों न फ्यूचर की प्लानिंग हो जाए। अगर आप आगे चलकर कोई कोर्स करने का सोच रही हैं तो हम आपको बताते हैं कुछ बेहतरीन कोर्सेस के बारे में।

कई कोर्स आपको घर बैठे कमाने का मौका भी देंगे। चाहें ऑफिस में कुछ एक्स्ट्रा अपने सीवी में दिखाना हो या फिर घर बैठकर काम करना हो, हर जरूरत के हिसाब से एक कोर्स मिल जाएगा। इन सभी कोर्स के जरिए आप नए ट्रेंड के हिसाब से खुद को अपडेट भी कर सकते हैं।

SEO Course

सर्च इंजन ऑपरेशन यानी SEO कोर्स भले ही सुनने में काफी मुश्किल लगता हो पर ये है नहीं। अगर आप थोड़ा भी डिजिटल वर्ल्ड में एक्टिव हैं और गूगल, फेसबुक, सोशल मीडिया आदि के बारे में थोड़ी बेहतर समझ रखती हैं तो ये प्रोफेशनल कोर्स न सिर्फ किसी कंपनी में अच्छी नौकरी दिलवा सकता है बल्कि ये कोर्स आपको बेहतरीन फ्रीलांस का मौका भी दे सकता है। इस कोर्स में आपको सिखाया जाएगा कि कैसे अपनी वेबसाइट की विजिबिलिटी बढ़ाई जाए। अगर आप नोएडा, दिल्ली, गुड़गाव, मुंबई, बेंगलुरु जैसे कई अन्य बड़ी जगहों पर रहती हैं तो 3-6 महीने के कोर्स प्रोवाइड करवाती हैं। अगर किसी छोटे शहर में रह रही हैं जैसे लखनऊ, भोपाल आदि तो भी वहां कई इंस्टिट्यूट ऐसे हैं जो ये कोर्स ऑनलाइन भी करवाते हैं। इसमें भी अलग-अलग तरह के कोर्स हो सकते हैं जैसे मोबाइल मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग, कीवर्ड प्लानर आदि सब कुछ। इनमे से कुछ फ्रीलांस और कुछ कंपनियों के लिए बेहतर होते हैं।

फीस - इस कोर्स की फीस जगह के हिसाब से बदल सकती है। ये 7000 रुपए से शुरू होकर 25000 तक जा सकती है।

PPC Course

ये उन लोगों के लिए सबसे बेहतर है जिन्हें फ्रीलांस करना है। इसका मतलब है Pay Per Click, जिसमें सेल्स का काम होता है। सर्च इंजन की मदद से आप पेड एडवर्टाइजिंग का काम करते हैं। इसका सबसे अच्छा फायदा ये है कि रिजल्ट जल्दी मिल जाता है। आजकल लगभग हर बिजनेस इस तरीके का इस्तेमाल कर रहा है। ब्रांड को बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है। इसके लिए PPC कोर्स या गूगल एडवर्ड कोर्स के नाम से अपने लिए बेहतर ऑप्शन चुन सकती हैं आप।

फीस - इसकी फीस 15000 से शुरू हो सकती है। ये इस बात पर निर्भर करती है कि आप कौन से शहर में रहती हैं।

Content Writing Course

फ्रीलांसिंग के लिए सबसे अच्छे कुछ कोर्स में से एक है कंटेंट राइटिंग कोर्स। अगर आपको लिखने का शौक है तो आप अपने पैशन को करियर भी बना सकती हैं। इसमें सिर्फ फ्रीलांसिंग ही नहीं बल्कि फुल टाइम जॉब के भी बहुत विकल्प होते हैं। साथ ही, कई मीडिया हाउस बेहतरीन मौका दे सकते हैं। यही नहीं अगर इंग्लिश और हिंदी दोनों ही अच्छी है तो आपके लिए कई तरह से मुमकिन है कि न सिर्फ मीडिया हाउस में बल्कि आप कई कंपनियों में फ्रीलांसिंग के लिए अप्लाई कर सकती हैं।

फीस - कंटेंट राइटिंग के लिए वीकएंड क्लास और वीकडे क्लास दोनों वाला कोर्स उपलब्ध है। इसकी फीस भी 8000 रुपए से शुरू हो सकती है।

Makeup Course

मेकअप का मतलब यहां रोजमर्रा के लिए सज कर जाना या ब्यूटीपार्लर के सेल्फ कोर्स से नहीं है। यहां बात हो रही है प्रोफेशनल मेकअप इंस्टिट्यूट से कोर्स करने की। इसमें ब्राइडल मेकअप, एयरब्रश मेकअप आदि के कोर्स उपलब्ध हैं। कई एप्स जैसे अर्बनक्लैप आदि ऐसे प्रोफेशनल्स को बहुत बेहतरीन मौका देते हैं और महीने का 1.5 लाख तक कमाया जा सकता है। पर शर्त ये है कि ये कोर्स प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट से किया गया हो।

फीस - इस कोर्स की फीस आपकी जरूरत के हिसाब से हो सकती है। इसकी कीमत 15000 रुपए से शुरू होती है, लेकिन अगर इंस्टिट्यूट काफी अच्छा है तो ये महंगा भी साबित हो सकता है।

Nail Art Course

ये शॉर्ट टर्म कोर्स है और अगर आपने ब्यूटी इंडस्ट्री में करियर बनाने का सोच लिया है तो फिर नेल आर्ट और नेल एक्सटेंशन कोर्स एक ट्रेंडी विकल्प साबित हो सकता है। ये काफी डिमांड में है और कई सारे ब्यूटी इंस्टिट्यूट प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी देते हैं। इसमें सिर्फ नेल आर्ट ही नहीं बल्कि नाखूनों से जुड़ी बीमारियों आदि की जानकारी भी दी जाएगी।

फीस - इस कोर्स की फीस 3000 रुपए से शुरू हो सकती है।

अपनी जरूरत के हिसाब से आप अपना कोर्स चुन सकते हैं और सबसे अच्छा तरीका ये होगा कि जिस भी इंस्टिट्यूट को चुनें उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें। सर्टिफिकेशन कोर्स ही बेहतर होते हैं इसलिए बिना सर्टिफिकेट वाला कोई कोर्स न चुनें।

कम समय में चाहते हैं शानदार करियर ग्रोथ? तो लाइफस्टाइल में शामिल करें ये 4 आदतें

करियर में करना चाहती हैं ग्रोथ? लाख कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ पा रही हैं आगे, तो चलिए हम आपको यहां बताते हैं कि इसके लिए आपको अपनी किन आदतों में बदलाव करना चाहिए।

करियर में आगे बढ़ने के लिए बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ लोग सफल व्यक्ति को देखकर ये सोच लेते हैं कि उनके साथ शायद वह समस्या नहीं रही होगी, जिन परेशानियों से मैं गुजर रही हूं। पर, ये सोच ही गलत है क्योंकि प्रॉब्लम हर जगह होती है। हर किसी को परिश्रम और संघर्ष के दौर से गुजरना ही पड़ता है। सफल लोग के पास भी हफ्ते के 7 दिन और एक दिन में 24 घंटे ही होते हैं। फर्क बस इतना है कि ऐसे लोग अपनी लाइफस्टाइल को लेकर काफी सख्त होते हैं और हर चीज को एक रूटीन के हिसाब से करते हैं। अगर आप भी करियर में ग्रोथ चाहते हैं, तो आपको भी अपनी लाइफस्टाइल में कुछ आदतों को शामिल कर लेना बेहद जरूरी है। इसी के साथ आइए हम आपको यहां 4 आदतों के बारे में बताते हैं, उनमें सुधार लाने के बाद आप काफी आगे बढ़ सकते हैं।

टालमटोल की आदत बदलें

हर काम के लिए एक समय तय करना जरूरी होता है, क्योंकि जिंदगी के हर मोड़ पर सेल्फ डिसिप्लिन होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हर छोटे-बड़े काम को टालते रहेंगे, तो यह भविष्य के लिए बहुत गलत साबित हो सकता है। बेहतर यही होगा कि टालने की आदत को बदलें और आप अपने काम का समय रहते पूरा कर लें।

लक्ष्य बनाकर करें काम

अपने लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म गोलतय करने की आदत डालें। इससे आपको अपनी मंजिल तक पहुंचने में आसानी हो सकती है। ये हैबिट आपके काम के स्पीड और समझ में तेजी ला सकता है। साथ ही, आपका दिमाग भी इससे खुलेगा, जिससे आपको जॉब में आगे बढ़ने के रास्ते खुलते जाएंगे।

दूसरे पर न रहें निर्भर

करियर में सही मुकाम हासिल करने के लिए स्वयं कुछ नियम-कायदे बनाना और उसे फॉलो करना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी योग्यता के अनुसार, खुद को समझाना होगा और बेहतर करने के लिए निर्णय खुद लेने की आदत डालनी होगी। अगर आप हर चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो आगे का रास्ता मुश्किल हो सकता है।

नई चीजें सीखने की डालें आदत

अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए, आपको लगातार नई चीजें सीखते रहना होगा। अपने क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और विकासों से अपडेट रहें। नए कौशल सीखने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम या कार्यशालाओं में भाग लें। आपकी नॉलेज आपकी ग्रोथ में काम आ सकते हैं।

महिलाएं घर बैठे ही शुरू कर सकती हैं मेहंदी कोन बनाने का बिजनेस

अगर आप कोई लघु उद्योग शुरू करने की सोच रही हैं तो आप मेहंदी के कोन बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। तो आइए जानें, इस व्यवसाय से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में।

हमारे देश में किसी भी तीज त्योहार या शादी में मेहंदी लगाना जरूरी होता है, क्योंकि मेहंदी को शुभ माना जाता है। हमारे देश में मेहंदी का इस्तेमाल बहुत पुराने समय से होता आ रहा हैं और यह हमारी संस्कृति की हिस्सा बन चुकी। वैसे, मेहंदी शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द मेंधिका से मानी जाती हैं। पहले के समय में मेहंदी के पौधे की पत्तियां तोड़कर उसे पीसा जाता था, फिर उसे पोलीथीन से कोन में भरकर हाथों मे लगाया जाता था। फिर बाद में मार्केट में मेहंदी पाउडर बिकने का चलन शुरू हुआ। अब लोग मेहंदी पाउडर लाकर इसे छानकर घोल बनाते थे और फिर इसे पोलीथीन के कोन में भरकर हाथों में मेहंदी लगाई जाती थी। लेकिन फिर मार्केट में बने बनाये कोन मिलने लगे और साथ ही मेहंदी लगाने वाले लोग भी मार्केट में बैठने लगे। ऐसे में अब हर वह महिला जो मेहंदी केवल किसी खास मौके पर लगाती थी अब जब मन हो तब मेहंदी लगा लेती हैं या लगवा लेती हैं। अगर आप कोई लघु उद्योग शुरू करने की सोच रही हैं तो आप मेहंदी के कोन बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं।

मेहंदी व्यवसाय में संभावनाएं कितनी हैं

मेहंदी के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि मेहंदी अभी तक किसी ब्रांड नेम का शिकार नहीं हुआ है। इसलिए मार्केट में उपभोक्ताओं को मेहंदी लेने के लिए किसी ब्रांड नेम की अभी तक जरूरत नहीं पड़ती है, सिर्फ दुकान पर जाकर मेहंदी मांगने पर मेहंदी मिल जाती हैं। इससे आप समझ सकती हैं कि किसी एक ब्रांड का वर्चस्व इस क्षेत्र में अभी तक नहीं हैं। ऐसे में अगर आप मेहंदी व्यवसाय में हाथ आजमाना चाहती हैं तो आपके सामने चैलेंज कम होंगे। ऐसे में अगर आपकी डिस्ट्रीब्यूटरशिप बेहतर है तो आप ज्यादा से ज्यादा माल दुकानों तक पहुंचा सकती हैं। साथ ही सूखी मेहंदी की सीमित शेल्फ लाइफ नहीं होती यानि इसे पैक होने के काफी समय बाद तक भी इस्तेमाल किया जा सकता हैं। ये बात भी व्यवसायी के पक्ष में जाती हैं और बिजनस के जोखिम को कम करती हैं।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए क्या चाहिए

मेहंदी व्यवसाय की सबसे अच्छी बात यह है कि मेहंदी व्यवसाय शुरू करने के लिए ज्यादा पैसों या चीजों की जरूरत नहीं पड़ती। मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग के लिए जो सबसे जरूरी है वह है इसका कच्चा माल, यानि मेहंदी के पत्ते। इसके अलावा मेहंदी के साथ मिक्स करने के लिए कुछ अन्य हर्ब शुगर और पीसी हुई मेहंदी को पैक करने के लिए जरूरी पैकिंग सामग्री इत्यादी।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए जरूरी मशीनरी

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए ज्यादा मशीनरी की जरूरत नहीं पड़ती। मेहंदी व्यवसाय में आपको पल्वराईजर मशीन और मोटर की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, मेहंदी से कचरा अलग करने के लिए छलनी, मेहंदी का भार तोलने के लिए वेट मशीन और मेहंदी के पाउच की पैकिंग करने के लिए पाउच सीलिंग मशीन की जरूरत होगी।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट कैसे शुरू करें

मेहंदी पाउडर बनाने की यूनिट लगाना बहुत आसान है। इसकी यूनिट लगाने के लिए बहुत ज्यादा बड़ी जगह की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन आप जिस जगह अपनी यूनिट लगाने जा रहे हैं वहां अच्छी धूप आना बहुत जरूरी है। साथ ही मेहंदी के पत्ते जिस जगह ग्राइंड किये जा रहे हों वहा धूल और मिट्टी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए, क्योंकि मेहंदी पर धूल और मिट्टी पड़ने से मेहंदी की क्वालिटी खराब हो सकती हैं।

मेहंदी मैन्युफैक्चरिंग का प्रोसेस क्या है

अगर आपको कच्चा माल यानि मेहंदी के पत्ते किसी डीलर से मिल जाते है तो आपका मेहंदी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस आसान हो जाएगा। अगर आपके आसपास कोई डीलर नहीं है तो आपको मेहंदी का उत्पादन खुद करना होगा। मेहंदी का उत्पादन करने पर आपको सबसे पहले खेतो से मेहंदी के पत्ते चुनवाने होंगे। मेहंदी के पत्ते तीन प्रकार के होते है- सबसे कम क्वालिटी वाले काले धब्बो वाले पत्ते, कुछ सुनहरी आभा लिए मध्यम क्वालिटी वाले पत्ते और सबसे अच्छी क्वालिटी वाले हरे पत्ते। इन तीनों प्रकार के पत्तों को उनके रंगों के अनुसार अलग-अलग कर लें और इनको अच्छे से सुखा लें। सूख जाने के बाद पत्तो को पीसने के लिए मशीन में डालें। पीसे गए पाउडर को छलनी से छानकर अशुद्धियों को दूर कर लें। इसके बाद मेहंदी का वेट करके पैक करें। अब आप मेहंदी को मार्केट में बेच सकती हैं, इसे आप दुकानों में सप्लाई भी कर सकती हैं।

फटाफट खबरें

पसान में सक्रिय लकड़ी तस्कर को किसने छोड़ा

कोरबा । कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत आने वाले ग्राम पसान क्षेत्र के ग्राम कोटमर्रा कंपार्टमेंट नंबर पी-188 में नीलगिरी का प्लांटेशन किया गया है। इस प्लांटेशन में करीब डेढ़ सौ से 200 हरे-भरे वृक्षों की कटाई करने के साथ ही अवैध परिवहन कर ले जाया जा रहा है। आरोप हैं की गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के लकड़ी तस्कर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों के द्वारा लकड़ी की तस्करी में लगे वाहन को पकड़ कर रेंजर को सूचना दी गई जो मौके पर तो पहुंचे, लेकिन उन पर आरोप है कि उन्होंने लकड़ी से भरी वाहन को छोड़ दिया गया। वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए बताया कि ग्रामीणों के विरोध को दरकिनार करते हुए वन विभाग के द्वारा लकड़ी तस्करों को सहयोग दिया जा रहा है। इनके कारण लकड़ी तस्करों का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जंगल में प्रवेश कर इमारती महत्व के हरे-भरे वृक्षों को काटकर तस्करी कर रहे हैं।

मालवाहक वाहन स्वामियों को सख्त चेतावनी

कोरबा कोरबा जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर कोरबा पुलिस ने एक कड़ा संदेश जारी करते हुए मालवाहक वाहनों में यात्रियों के परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इस सिलसिले में थाना बालको परिसर में मालवाहक वाहन मालिकों की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अधिकारियों ने वाहन स्वामियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे अपने मालवाहक वाहनों का उपयोग किसी भी परिस्थिति में मानव परिवहन के लिए न करें। इस दौरान वाहन चालकों एवं मालिकों को मोटर व्हीकल एक्ट और यातायात नियमों की जानकारी भी दी गई।पुलिस ने बीते वर्षों में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि जागरूकता की कमी और नियमों की अनदेखी के कारण कई जानलेवा हादसे हुए हैं। वाहन मालिकों से अपील की गई कि वे जनहित में नियमों का पालन करें, अन्यथा दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

कोरबा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने छत्तीसगढ़ में व्यापारियों के प्रति सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के व्यापारी भय और दबाव के माहौल में व्यवसाय करने को मजबूर हैं। राज्य में जीएसटी वसूली की प्र या को लेकर व्यापारी असंतुष्ट हैं और कई शहरों में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। बैज ने आरोप लगाया कि सरकार केवल राजस्व संग्रहण बढ़ाने के उद्देश्य से छापेमारी, भारी जुर्माना और ब्याज के जरिए व्यापारियों पर अनावश्यक दबाव बना रही है, जिससे व्यापार जगत में असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने कहा जीएसटी की इतनी कठोरता पूरे देश में कहीं नहीं देखी गई, जितनी छत्तीसगढ़ में देखी जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार पर उद्योगों की उपेक्षा का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गलत औद्योगिक नीतियों के चलते नए उद्योग नहीं लग रहे हैं और पुराने उद्योग भी बंद हो रहे हैं। उन्होंने बिजली दरों में बार-बार वृद्धि, स्पंज आयरन और राइस मिल जैसे छोटे व मंझोले उद्योगों के बंद होने और इससे उपजे रोज़गार संकट व घटती य क्षमता को सरकार की आर्थिक विफलता बताया।

बोधघाट परियोजना को मिली रफ्तार

दिल्ली में पीएम मोदी से सीएम विष्णु देव साय की अहम मुलाकात

● **रायपुर.**

छत्तीसगढ़ की बहुप्रतीक्षित बोधघाट परियोजना एक बार फिर सुर्खियों में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने हालिया दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर इस परियोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि बोधघाट परियोजना से लगभग 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जो राज्य के किसानों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री साय ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रधानमंत्री से केवल बोधघाट ही नहीं, बल्कि रिवर इंटर-लिंकिंग परियोजना को लेकर भी बातचीत हुई है। इस परियोजना से अतिरिक्त 3 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की बदली हुई स्ङ्घिङ्घथति और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे सुरक्षा सुधारों की भी जानकारी दी। खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले ख्र्क्र खाद की कमी पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल राज्य नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न हुई समस्या है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों को वैकल्पिक उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि खेती पर इसका प्रतिकूल असर न पड़े।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कांग्रेस वर्षों से इसकी बात करती रही, लेकिन इसे लागू करने की हिम्मत नहीं दिखा पाई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने न केवल घोषणा की है, बल्कि जल्द ही जनगणना की प्रक्रिया भी शुरू होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के नव नियुक्त अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्री मद्दी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्य म को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मद्दी सामाजिक रूप से लंबे समय से स य हैं और उनके पास विभिन्न पदों पर कार्य करने का गहरा अनुभव है। मुझे विश्वास है कि उनका यह अनुभव स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के कार्यों को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध होगा। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार अनेक नवाचारों के माध्यम से शासकीय कार्यों में पारदर्शिता ला रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नक्सल उन्मूलन के साथ-साथ हम बस्तर में अधोसंरचना और पर्यटन विकास के कार्यों को गति दे रहे हैं, ताकि स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें। हमने हाल ही में दुधारू पशु योजना के माध्यम से आदिवासी परिवार को दो अच्छी नस्ल की गाय प्रदान करने की शुरुआत की है, जिससे प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ेगा और किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात में प्रदेश के विकास को लेकर हुई महत्वपूर्ण चर्चाओं का जि किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से बस्तर में सिंचाई परियोजनाओं और इंद्रावती एवं महानदी को जोड़ने की महत्वाकांक्षी पहल के बारे में सार्थक चर्चा हुई।

पानी के टैंकर का निजी कार्यों में उपयोग होने का लगा आरोप

कोरबा इस भीषण गर्मी में नदी, नाले, कुआं, बोर और हैंडपंप इत्यादि सूखने लगे हैं। पर्यावरण को संतुलित बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है, लेकिन कल-कारखाने, कोयला खदानों के लिए पेड़ पौधे को जिस तरह से काटा जा रहा है भू-जल स्तर की प्रतिवर्ष गिरावट हो रही है। लोगों को पानी की निस्तारी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी अंतर्गत हरदीबाजार क्षेत्र में प्रभावित ग्रामों के ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। हरदीबाजार पंचायत वार्ड क्रमांक 8 के लोगों को पानी की आपूर्ति पंचायत के द्वारा टैंकर से किया जाता है। निरंतर हरदीबाजार के सभी वार्डों में पंचायत के टैंकर से पानी आपूर्ति के लिए पंचायत के सरपंच की जिम्मेदारी होती है, लेकिन आरोप हैं की यहां पानी आपूर्ति लोगों को करने के बजाय टैंकर के पानी का उपयोग निजी कामों के लिए किया जा रहा है। कहीं मकान बन रहा है या फिर किसी का छत ढलाई किया जा रहा है। पानी नहीं मिलने के कारण वार्डवासी परेशान हो रहे हैं। वार्ड के लोगों में काफी नाराजगी व आक्रोश व्याप्त है । वार्ड के लोगों का कहना है कि हरदीबाजार पंचायत के सरपंच से पानी की समस्या के समाधान के लिए कहा गया है, लेकिन सरपंच द्वारा जानकारी दी गयी हैं कि पंचायत स्तर में दो टैंकर पानी आपूर्ति के लिए रखा गया है।

आरएसएस कार्यक्रम में शामिल हुए अरविंद नेताम

संघ के साथ वैचारिक संवाद को बताया सकारात्मक पहल

● **रायपुर.**

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) के कार्यक्रम में पहली बार भाग लेकर संघ के कार्यों और दृष्टिकोण को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया। कार्यक्रम के पश्चात आयोजित प्रेस वार्ता में नेताम ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ हुई चर्चा को ÷खुली और सार्थक÷ करार दिया। नेताम ने कहा कि इस संवाद में विशेष रूप से आदिवासी समाज और संघ के बीच वैचारिक दूरियों को पाटने के उपायों पर मंथन हुआ। उन्होंने संघ प्रमुख को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, ÷यह एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसने मुझे संघ की कार्यशैली और सोच को नजदीक से जानने का मौका दिया। नेताम ने यह

भी कहा कि आदिवासी समाज में बढ़ रही विघटन की भावना को दूर करने के लिए ठोस पहल की जरूरत है, और इस दिशा में संघ से मार्गदर्शन और सहयोग की अपेक्षा की जा रही है। उन्होंने यह बयान भी दिया कि, ÷जब देश की मुख्यधारा की राजनीति से उम्मीद टूटती है, तब संघ ही एक ऐसा मंच बचता है, जो समाज की सहायता कर सकता है। हालांकि नेताम ने यह भी स्पष्ट किया कि वे संघ द्वारा आदिवासियों को वनवासी कहने के पुराने चलन का विरोध करते रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लग रही मरीजों की भीड़

कोरबा कोरबा जिले में तेज धूप, बारिश सहित उसम भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है। मौसमी बीमारी से लोग परेशान होने लगे हैं। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ओपीडी में इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 850 से अधिक पहुंच गई है। पंजीयन काउंटर से लेकर अधिकांश चिकित्सको के कक्ष और दवाई कक्ष के बाहर मरीज व उनके परिजनों की लंबी कतार लगी रही है। इलाज कराने वाले मरीजों में सबसे अधिक सर्दी, खांसी, बुखार, उल्टी, दस्त सहित अन्य मौसमी बीमारी की चपेट में आने वाले मरीज हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरबा सांसद ने नियुक्त किया सांसद प्रतिनिधि

जिला एमसीबी,कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत के द्वारा महिला कांग्रेस कमेटी एमसीबी, जिला के महामंत्री श्रीमती राधा सरकार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगर पंचायत नई लेदरी की सांसद प्रतिनिधि नियुक्त की गई है,श्रीमती राधा सरकार नई लेदरी क्षेत्र के एक सक्रिय और समर्पित कर्मठ व जुझारू कांग्रेसी महिला कार्यकर्ता हैं। जनहित तथा कल्याणकारी से जुड़े हर मुद्दों को वह हमेशा निष्ठापूर्वक कार्य करती हैं और लंबे समय से क्षेत्रीय स्तर पर जनसमस्याओं के समाधान के लिए वह हमेशा तैयार रहती हैं सभी महिलाओं के दुख सुख में हमेशा उनके साथ उपस्थिति रहती है और उनकी समस्याओं का निराकरण करती है,श्रीमती राधा सरकार के इस नियुक्ति से क्षेत्र में कांग्रेस, पार्टी संगठन को नारी शक्ति द्वारा नई ताकत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है कांग्रेस के जनप्रतिनिधि और कांग्रेस पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शिविर का किया गया आयोजन

जिला एमसीबी 6 जून को नागपुर ग्राम पंचायत में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बैकुंठपुर कृषि कॉलेज के सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ नरेंद्र कुमार मिश्रा के द्वारा आधुनिक खेती के बारे में बताया गया फसलों में लगने वाले कीट रोग की जानकारी दी गई और उनके रासायनिक व जैविक रूप से उपचार बताया गया खेती के नए सिद्धांतों के बारे में भी बताया गया इस शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधि सरपंच ललन सिंह भाजपा महामंत्री अमित राय व किसान सच्चिदानंद यादव अयोध्या प्रसाद तारा देवी जयसवाल कुलदीप राय मनमोहन दास भैया लाल रामकृष्ण कृष्णा राय सुरेंद्र जायसवाल कृष्णा राय विजय केवट देवनारायण बाबूलाल आदि कृषक उपस्थित रहे।

मोहनम बिग बाजार पर 3 लाख का जुर्माना

● **कोरबा,**

कोरबा जिले में मिस ब्रांडिंग का सामान बेचने के आरोप में 3 दुकानदारों पर कार्यवाही खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने की हैं। जानकारी के अनुसार खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने छापा मारा। जहां जांच के दौरान इन संस्थानों में मिस ब्रांडिंग सहित कई अन्य खामियां पाई गईं। एडीएम कोर्ट ने मोहनम बिग बाजार के तीन संचालकों पर 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इसी कार्यवाही अंतर्गत रेट्स फर्म सुभाष चौक और देवांगन होटल टी.पी. नगर में सब स्टैंडर्ड सामान मिलने पर प्रकरण बनाए गए। एडीएम कोरबा मनोज बंजारे ने दोनों प्रतिष्ठानों पर 10-10 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। मोहनम बिग बाजार में विभागीय टीम ने साल 2022-23 में प्रतिष्ठान में छापेमारी की थी। इस मामले में दो अलग-अलग प्रकरण बनाए गए। एक प्रकरण की सुनवाई एडीएम कटघोरा अनुपम तिवारी के कोर्ट में हुई, जिसमें तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग का गठन उपभोक्ताओं के हित में किया गया है। विभागीय टीम नियमित रूप से व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की मॉनिटरिंग करती है। टीम दस्तावेजों की जांच के साथ वस्तुओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजती है। रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर न्यायालय में प्रकरण पेश किया जाता है। इस कार्यवाही से क्षेत्र के मिलावटखोरों और मिस ब्रांडिंग करने वाले व्यवसायियों में हड़कंप मचा हुआ है। कोरबा जिले में मिस ब्रांडिंग का सामान बेचने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही करने के लिए खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत विभागीय टीम ने कई दुकानों में छापेमारी की और सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही की गई है।

एडीएम कोरबा मनोज बंजारे ने बताया कि खाद्य, औषधि व सुरक्षा विभाग ने मिस ब्रांडिंग का सामान बेचने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही करने के लिए विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत विभागीय टीम ने कई दुकानों में छापेमारी की और सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे।

नलों में टुल्लू पंप लगाकर खींचा जा रहा पानी, मुड़ापार क्षेत्र के लोग परेशान

कोरबा कोरबा नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 29 मुड़ापार के निवासी इन दिनों जल संकट से परेशान हैं। यहां अनेक उपभोक्ताओं द्वारा नलों में टुल्लू पंप का अवैध कनेक्शन लगाकर घरों में पानी खींचा जा रहा है जिसके कारण ऐसे लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है जहां टुल्लू पंप नहीं लगाए गए हैं और टेपनल के जरिए पानी आपूर्ति की अपेक्षा करते हैं। वार्ड वासियों ने बताया कि यह सिलसिला काफी दिनों से चला आ रहा है। वार्ड वासियों के मुताबिक निगम द्वारा पेयजल आपूर्ति के लिए वार्ड में नलों का जाल बिछाया गया है लेकिन नलों से जल की आपूर्ति नहीं के समान हो रही है। नलों में पानी की धार या तो आती ही नहीं या आती भी है तो धार इतनी पतली होती है कि बड़ी मुश्किल से तीन-चार बाल्टी ही भर पाती हैं।

जिसके कारण उनके समक्ष यह दुविधा रहती है कि पानी को पीने के लिए उपयोग में लाया जाए या नहाने-धोने के लिए इसका उपयोग करे। जल संकट से परेशान लोगों ने निगम के अधिकारियों से अपील की है कि क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण कर टुल्लू पंप लगाकर जलापूर्ति बाधित करने वालों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करें।

एनटीपीसी अधिकारियों के मुंह पर फेंकी राखड़

प्रदूषण से परेशान और आक्रोशित हैं ग्रामीण

कोरबा कोरबा जिले में राखड़ की समस्या से जूझ रहे नाराज ग्रामीणों ने अप्रत्याशित घटनाक्रम में एनटीपीसी के अधिकारियों के मुंह पर राखड़ फेंक दी। ग्रामीण थैली में राखड़ भर कर लाए थे और जब उनका गुस्सा फट पड़ा तो उन्होंने अधिकारियों पर राख फेंकी। इस दौरान कटघोरा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रेमचंद पटेल भी प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित थे।

उल्लेखनीय हैं की कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र एनटीपीसी से उत्सर्जित राख का निस्तार प्रबंधन के द्वारा ग्राम धनरास में राखड़ बांध बनाकर किया जा रहा है। संयंत्र की राख को इधर-उधर फेंकने का भी काम चंद ठेकेदारों के द्वारा किया जा रहा है। धनरास राखड़ बांध के आसपास बसे ग्रामीण राख उड़ने की समस्या से बेहद परेशान हैं।

हल्की सी हवा चलने पर राख का गुबार ऐसा उड़ता है कि सारा ग्राम उसमें समा जाता है और ग्रामीणों के खाने-पीने की वस्तुएं भी खराब हो जाती हैं। शादी-विवाह का अवसर हो या कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम, यदि हवा चली तो सारा खाना राख-राख हो जाता है और नुकसान अलग से। कई साल से इस तरह की समस्या बनी हुई है लेकिन हाल ही के कुछ महीनों में इसने गंभीर रूप लेना शुरू कर दिया है। वैसे तो राखड़ प्रभावित ग्रामीणों को प्रति राशन कार्ड के आधार पर मुखिया को 3000 रुपये का राशन भत्ता एनटीपीसी द्वारा दिया जाता है लेकिन इसमें भी चंद लोग अपनी रोटी सेंक कर फर्जी नाम के सहारे राखड़ भत्ता में भी गड़बड़ घोटाला किए हुए हैं। इस तरह की समस्याओं से जूझ रहे ग्रामीण एनटीपीसी प्रबंधन को अनेक बार पत्र व्यवहार करने के साथ-साथ चेतावनी देते हुए समस्या से निजात दिलाने का आग्रह करते आ रहे हैं। अब उन्होंने आंदोलन का रास्ता अख्तियार कर लिया। जानकारी के अनुसार 2 जून से धनरास राखड़ बांध पर प्रदर्शन चल रहा था।

भाजपा नेत्री की दबंगई पर आदिवासी विधायक का फूटा गुस्सा, एसपी को पत्र लिखकर की कार्रवाई की मांग

कोरबा अम्बिकावाणी - बांकीमोंगरा थाना परिसर में आदिवासी किसान के साथ मारपीट की घटना ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। इस मामले को लेकर रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया ने कोरबा एसपी को पत्र लिखकर भाजपा नेत्री ज्योति महंत पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक राठिया ने पत्र में आरोप लगाया है कि भाजपा नेत्री ज्योति महंत ने अपने साथियों के साथ मिलकर थाना परिसर में एक आदिवासी किसान के साथ न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। यह पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई और इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा नेताओं को शासन-प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है, जो कानून-व्यवस्था को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं? राठिया ने कहा, ﺭमैं स्वयं आदिवासी हूं, मुख्यमंत्री भी आदिवासी हैं, फिर भी थाना परिसर में आदिवासी किसान के साथ बर्बरता बेहद पीड़ादायक है। विधायक ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने विधानसभा में कोरबा पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं होती, तो इसे आदिवासी समाज का अपमान माना जाएगा।

ईद-उल-अजहा की धूम, कुर्बानी के साथ मनाया त्यौहार

मस्जिदों में नमाज अदा कर मांगी अमन - चैन की दुआ

● **कोरबा,**

कोरबा जिले में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्यौहार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की कई मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह से ही नमाज का सिलसिला शुरू हुआ। मरकजी ईदगाह, जामा मस्जिद, मदीना मस्जिद, मस्जिद गरीब नवाज सहित शहर की सभी प्रमुख मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।मुस्लिम समुदाय ने देश की तरक्की, शांति और भाईचारे के लिए विशेष दुआ मांगी। इस अवसर पर हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल की याद में कुर्बानी की रस्म अदा की गई। धार्मिक गुरुओं ने बताया कि कुर्बानी का यह त्यौहार त्याग और बलिदान की भावना का प्रतीक है। नमाज के बाद लोग कब्रिस्तान भी गए, जहां उन्होंने अपने दिवंगत परिजनों के लिए

फातिहा पढ़ी और दुआ मांगी। त्यौहार पर गरीबों और जरूरतमंदों की मदद का विशेष ध्यान रखा गया। सुरक्षा की दृष्टि से हेलीपैड स्थित ईदगाह सहित सभी प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। नमाज के बाद पैगंबर हजरत इब्राहिम और पैगंबर हजरत इस्माइल की असीम कुर्बानी को याद करते हुए बकरों की कुर्बानी दी गई। कुर्बानी पर्व बकरीद पैगंबर हजरत इब्राहिम व पैगंबर हजरत इस्माइल की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है।

कोरबा में स्थित इबादतगाहों पर ईद-उल-अजहा की नमाज तय वक्त में अदा की गई। मरकजी ईदगाह, दुरपा रोड, जामा मस्जिद, पीएच रोड, मदीना मस्जिद, रानी रोड, मस्जिद गरीब नवाज, टी.पी. नगर, ईदगाह/मस्जिद आला हजरत, गेरवाघाट, मस्जिद गौसे आजम, मुड़ापार, नूरानी (कॉलियरी) मस्जिद, एसईसीएल, शाही नूरी मस्जिद, बुधवारी, खानकाह-ए चिश्तिया दादर, ईदगाह, ग्राम-रजगामार और मदरसा रूमगरा (दर्री) में तय समय पर नमाज अदा की गई। हेलीपैड स्थित ईदगाह में सुबह से ही लोगों की और नमाज अदा की गई जहां छोटे से लेकर बड़े सभी ने नमाज अदा की परिसर के बाहर पुलिस बल भी तैनात किए गए थे ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो। वही बुधवारी स्थित नूरी मस्जिद में भी आसपास के काफी मुस्लिम भाई समय पर मस्जिद पहुंचे और नमाज अदा की।

ग्रामीण क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान बना आय का साधन

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत बेमेतरा जिले में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की दिशा में अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री टेकचंद अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के साजा ब्लॉक के ग्राम राखी में स्थापित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट आज न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य कर रही है, बल्कि स्वच्छता दीदी के लिए आय का सशक्त माध्यम भी बन चुकी है। इस यूनिट में ब्लॉक के आसपास के ग्रामों से प्लास्टिक कचरे का संग्रहण किया जा रहा है, जिसे गांवों में कार्यरत स्वच्छता दीदी स्वयं एकत्र कर रही हैं। ये दीदी न केवल अपने गांव को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, बल्कि इस कार्य के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता भी हासिल कर रही हैं।

ग्राम राखी स्थित यूनिट में कार्यरत माँ जय लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस एकत्र कचरे की छंटाई करती हैं। इसके बाद यूनिट में स्थापित आधुनिक बेलिंग मशीन के माध्यम से प्लास्टिक कचरे को बंडल कर पुनर्चक्रण कंपनियों को बेचा जाता है। यह प्रक्रिया कचरे के सुरक्षित निपटान के साथ-साथ राजस्व सृजन का भी एक प्रभावी मॉडल बन गई है। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की ग्राम स्तर पर प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की यह व्यवस्था स्वच्छता और सतत विकास दोनों लक्ष्यों की पूर्ति कर रही है। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित हो रहा है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को एक नई आर्थिक दिशा भी मिल रही है। जिला पंचायत सीईओ श्री टेकचंद अग्रवाल ने बताया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में इस प्रकार की एक-एक प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना की जा चुकी है। सभी यूनिट्स में प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और यह कार्य लगातार विस्तार की ओर अग्रसर है। स्वच्छता दीदी न केवल गांवों की साफ-सफाई में अहम भूमिका निभा रही हैं, बल्कि अपने श्रम से अतिरिक्त आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सशक्त बना रही हैं। इससे ﺭस्वच्छता से स्वावलंबनﺭ की दिशा में जिले ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह पहल ग्रामीण स्तर पर स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता और महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बनकर उभर रही है, जिसे अन्य जिलों में भी ﺭबेमेतरा मॉडलﺭ के रूप में अपनाया जा सकता है।

अम्बिकावाणी
रायपुर, सोमवार 9 जून , 2025

सम्पादकीय

> विपत्ति आने पर हिम्मत बनाये रखना सबसे अच्छा उपाय है।
> 0 ब्रह्मकुमारी

संपादकीय

देनदारी का बोझ

हरियाणा के पंचकुला में खड़ी कार में देहरादून के परिवार के सात सदस्य मृत पाए गए जिनमें मित्तल परिवार के दंपति, मां-बाप व तीन बच्चे बताए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस के साथ उत्तराखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच जांच में जुट गए हैं।

मगर प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। बताया गया कि परिवार बागेर से लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इनमें से एक बेसुध ने अस्पताल जाते हुए कर्ज की बात बार-बार दोहराई जिसने बाद में दम तोड़ दिया। पूछताछ में देहरादून पुलिस को मिले मृतक के मित्र ने बताया कि मित्तल को व्यापार में घाटा हुआ था और उस पर सात-आठ करोड़ का कर्ज था। कर्ज अदायगी न करने के चलते बैंक उसका फ्लैट व कुछ कारें जब्त की चुकी थीं। वह इन दिनों कैब चला कर गुजर कर रहा था।

गाड़ी में मिले सुसाइड नोट के विषय में पुलिस ने विस्तार से नहीं बताया। उधर केरल के वक्कोम में भी एक ही परिवार के चार सदस्यों की खुदकुशी का मामला सामने आया। बताया गया कि कर्ज के चलते माता-पिता व दो जवान बच्चे छत से लटक गए। घर से बरामद डायरी में कर्जदारों का ब्योरा मिला है। इस तरह की आत्महत्या की घटनाओं में तेजी आती जा रही है जिनमें अमूमन कर्ज की मोटी रकम चुकाने में सक्षम न रहने के कारण परिवार का मुखिया अपनी जिंदगी तो लेता ही है परिजनों को बकायेदारों व परिचितों के उलाहनों व जीवनयापन की दिक्कतों से बचाने के लिए यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है। पहले भी लोग सामूहिक आत्महत्याएं करते रहे हैं।

कुछ धार्मिक कारणों से, अंधविश्वास या जादू-टोने के चक्कर में चमत्कारों के भरोसे जीवन लीला खत्म करते थे जबकि कई इज्जत के नाम पर जहरीला पदार्थ खा कर या फंदे पर लटक कर सामूहिक रूप से मर जाते थे। कुछ लोग कर्ज, निजी लोन या अनाप-शनाप ब्याज न चुका पाने के कारण भयभीत होकर मौत को अंतिम शरण मान बैठते हैं। समाज के भौतिकतावादी होने के ये दुष्परिणाम कहे जा सकते हैं।

व्यापार में घाटा, मुनाफे में कमी, धोखाधड़ी या गलत प्लानिंग के चलते करोड़ों की देनदारी का बोझ लोगों को मानसिक रूप से रुग्ण कर देता है। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में तमाम लोग अवसादग्रस्त हैं। असामान्य स्थितियों में वे संभल नहीं पाते। नकारात्मक विचारों के चलते जीवन-लीला समाप्त करने को ही अंतिम परिणति मान बैठते हैं। इस पर सरकारी तंत्र, विश्लेषकों, समाजविज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरतापूर्वक चिंतन करने की जरूरत है।

पाकिस्तान बनने जा रहा है बांग्लादेश?

प्रो. सतीश कुमार

यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि क्या बांग्लादेश पाकिस्तान बनने जा रहा है? भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया है कि हर समस्या के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के ऊपर दोषारोपण न करे। यह तरीका पाकिस्तान का रहा है। पिछले कुछ वर्षो से पुख्ता संकेत हैं कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पुनः एक नई लकीर खींची जा रही है जिसका मकसद भारत का विरोध है। दोनों देशों की इंटेलिजेंस भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अशांति फैलाने की योजना की तैयारी में हैं।

जब से शेख हसीना को देश छोड? के लिए विवश किया गया है तब से बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। बांग्लादेश में कट्टरता, अल्पसंख्यकों पर हमले या लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट जैसे संकेत देखे जाते हैं। हाल के वर्षों में हिन्दू, बौद्ध और ईसाई समुदायों पर हमले हुए हैं। यूनुस ने पिछले छह महीनों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दो बार मुलाकात की। एक बार न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान और दूसरी बार काहिरा में डवलपिंग समिट में। दोनों देशों ने सीधे व्यापार को फिर से शुरू किया है और वीजा प्रतिबंधों में ढील दी है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से थंडर फाइटर जेट खरीदने में रुचि दिखाई है, जो पाकिस्तान और चीन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किए गए हैं। यह बांग्लादेश के 'फोर्सेस गोल 2030इ कार्यक्रम का हिस्सा है।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में गतिविधियां बढ़ा रही है और भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या आतंकवादियों का उपयोग कर सकती है। चीन, तुर्की, और पाकिस्तान मिल कर बांग्लादेश में 'ग्रेटर बांग्लादेशइ की अवधारणा को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत के पूर्वोत्तर में अशांति फैल सकती है। बांग्लादेश की राजनीति पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ी है। सलाहकार राष्ट्रपति प्रो. यूनुस बांग्लादेश को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करने की साजिश रच रहे हैं जहां से कट्टरपंथ की अंधेरी सुरंग शुरू होती है, जिसका कोई अंत नहीं है। पाकिस्तान 75 सालों में इसी सुरंग में फंसा हुआ है जहां से उसका निकलना अब असंभव प्रतीत होता है।

\बांग्लादेश में विद्यार्थी संगठनों को कट्टरपंथी बनाया जा रहा है और सत्ता के गलियारों में उनकी शिरकत के रास्ते बनाए जा रहे हैं। इस बात की ताकीद और कोई नहीं, बल्कि वहां की सेना ने की है। भारत के लिए चिंता का विषय इसलिए भी है कि बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर भारत विरोधी मुहिम की झलक दिखाई दे रही है। दरअसल, यह सब कुछ सुनयोजित रणनीति का हिस्सा है। बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा महज 271 किमी. की है, लेकिन है बहुत महत्त्वपूर्ण, विशेषकर भारत के लिए। मिजोरम की सीमा दोनों देशों से मिलती है। म्यांमार के 3 जिले, जो अशांत हैं, इसी सीमा पर स्थित हैं। बांग्लादेश का कॉक्स बाजार दूसरी तरफ है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ 5 देशों की सीमाएं मिलती हैं-चीन, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार।

सब कुछ चीन के इशारे पर किए जाने की तैयारी है। आईएसआई की बांग्लादेश में बढ़ती गतिविधियों से भारत की पूर्वोत्तर सीमा पर खतरा बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई बांग्लादेश को आतंकी गतिविधियों के लिए लॉन्चपैड के रूप में उपयोग करने की कोशिश कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह त्रिकोणीय गठबंधन भारत की क्षेत्रीय स्थिति को कमजोर कर सकता है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में चीन द्वारा प्रस्तावित हवाई अड्डा परियोजना भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि यह रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। म्यांमार में चल रहे गृह युद्ध के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के कई विद्रोही समूहों ने म्यांमार में शरण ली है, और वहां की सैन्य जुंटा के साथ समझौते किए हैं। इन समूहों को म्यांमार के उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में ठिकाने बनाने की अनुमति दी गई है, जिससे वे भारत के खिलाफ गतिविधियां चला सकते हैं। बांग्लादेश की स्थापना 1971 में धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, जिसमें बांग्ला भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान का आधार माना गया। हालांकि, हाल के वर्षों में इस्लामी पहचान को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इस परिवर्तन का एक कारण यह भी है कि 1971 के मुक्ति संग्राम को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाली पीढ़ी धीरे-धीरे समाप्त हो रही है, जिससे नई पीढ़ी की पहचान में बदलाव आ रहा है।

इस्लामी समूहों और धार्मिक राजनीतिक दलों ने बांग्लादेशी पहचान को इस्लाम पर केंद्रित करने के प्रयास किए हैं, जिससे 'पहले बंगाली या पहले मुस्लिम?इ की बहस तेज हुई है। 2024 के जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलनों में धार्मिक पहचान को प्रमुखता दी गई जो पहले के धर्मनिरपेक्ष आंदोलनों से भिन्न था। बांग्लादेश ने हाल के दशकों में आर्थिक प्रगति की है और इसे दक्षिण एशिया का 'नया टाइगरइ कहा गया है। इसकी अर्थव्यवस्था भारत के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है, और विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान के साथ पूर्ण निकटता बांग्लादेश के आर्थिक हितों के खिलाफ होगी।

बांग्लादेश की बांग्ला संस्कृति और भाषा उसकी पहचान का मूल हिस्सा है, जो इसे पाकिस्तान से अलग करती है। बांग्लादेश 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बना, मुख्य रूप से भाषाई (बांग्ला बनाम उर्दू), सांस्कृतिक और आर्थिक भेदभाव के कारण। शेख मुजीब-उर-रहमान के नेतृत्व में अवामी लीग ने स्वतंत्रता की मांग की और भारत की मदद से बांग्लादेश ने आजादी हासिल की। तब से बांग्लादेश ने अपनी पहचान धर्मनिरपेक्ष, बांग्ला भाषी राष्ट्र के रूप में बनाई जो पाकिस्तान की उर्दू-प्रधान और इस्लामी पहचान से अलग थी। यह मानना जल्दबाजी होगा कि बांग्लादेश पाकिस्तान बन गया है।

बांग्लादेश एकमात्र देश है जो दोहरे उपनिवेशवाद के चंगुल में फंसा रहा। पहले अंग्रेजों की गुलामी और आजादी के बाद पाकिस्तानियों की गुलामी। उनका खास दोहन हुआ, यह बात हर बांग्लादेशी को मालूम है, युवा पीढ़ी को भी यह बात समझनी पड़ेगी। बांग्लादेश दक्षिण एशिया का इकनोमिक टाइगर बना तो भारत से बेहतर संबंध के कारण। पाकिस्तान के रास्ते पर बांग्लादेश मुड़ा तो उसकी भी स्थिति बदहाल बन जाएगी। (लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की डगर पर भारत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 24 मई को नीति आयोग ने बताया कि जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आगामी 2.5 से 3 सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए भी दिखाई दे सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को दुनिया के ख्याति प्राप्त अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने कहा कि जापान को पछाड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की एक अविसनीय उपलब्धि है।

वास्तव में भारत के विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में आगे बढ? के पीछे जो प्रमुख कारण हैं, उनमें 140 करोड़ की जनसंख्या, देश के मध्यम वर्ग, की बढ़ती क्रयशक्ति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत आर्थिक नीतियां शामिल हैं। साथ ही इस समय भारत जिस ऊंची विकास दर और आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर भारत को कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए आगे बढ?ा होगा। वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तथा बढ़ते हुए व्यापार घाटे जैसी चुनौतियों से भारत को निपटना होगा।

खासतौर से भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ?ा जरूरी है। चीन से वष्र्-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करना होगा। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जहां एमएसएमई देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ? के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। निसंदेह देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति अहम होगी। भारत के द्वारा विगत 6 मई को ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ?ा होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरूआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है और 8 जुलाई से भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता लागू हो सकता है। हाल ही में अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी वार्ता करते हुए द्विपक्षीय कारोबार समझौते को तेजी से अंतिम रूप देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्त्रइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में देश से सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) की भूमिका भी प्रभावी होगी। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगे लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है।

हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की और से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के मुताबिक जीसीसी के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 2030 तक 8.4 लाख करोड़ रुपये का होगा। निसंदेह मई 2024 में दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिकी बने भारत को आगामी ढाई से तीन साल में तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने के मद्देनजर सरकार के द्वारा अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना होगा।

पशु पक्षी, वनस्पति,जल,जीव, मानव साम्यता के लिए बनो का संरक्षण आवश्यक

हैदराबाद की एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में बड़े जंगलों से संरक्षित भूमि का व्यावसायिक हितों पेड़ो का काटना शुरू हुआ तो केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्वविवेक से आंदोलन शुरू कर दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर पहुंचा तो सर्वोच्च न्यायालय ने पहले रोक लगाई फिर स्थाई रूप से पेड़ों की कटाई को अवैध ठहरा दिया। ब्राजील में पूरे देश में पेड़ो की कटाई पर नियमित रोक है ।इसी प्रकार यूरोपीय देशों ने भी प्रतिबंध लगा रखे हैं लेकिन भारत में बनो के संरक्षण अधिनियम लचीला है क्योंकि हम बढ़ती जनसंख्या के दबाव में सड़क परियोजना, बांध निर्माण, संस्थाओं की इमारतों, बढ़ते कंक्रीट के जंगलों , निजी आवासीय योजनाओं को बनने से रोक नहीं पा रहे हैं। हालांकि भारत में तीव्र विकास को अभी 35 साल ही हुए हैं।फिर भी भारत में 835000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर बन आच्छादित हैं ।यह अकड़ा कुल भारत भूमि 3287235 वर्ग किलोमीटर का 25 फीसदी से अधिक है ।विश्व में रूस में सर्वाधिक 800 मिलियन वर्ग किलोमीटर भूमि में बन है जो उसकी कुल भूमि का 52 फीसदी है। भारत में दो तरह के बन है आरक्षित और संरक्षित। संरक्षित बनो में निर्माण के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से स्वीकृति लेनी पड़ती है। आरक्षित बनो के मामले में राज्य सरकार सक्षम है। बताया जाता है कि भारत सरकार के आंकड़े कहते हैं कि बन 0.70 प्रतिशत की गति से बढ़ रहे हैं। सरकार और एनजीओ ने मिलकर सामाजिक बानगी, डीप फोरेस्टेशन आदि कार्यक्रम बन बढ़ाने के लिए चला रखे हैं लेकिन अवैध बन माफिया कटाई भी खूब कर रहा है।

आज अंतरास्ट्रीय पर्यावरण दिवस है ।पर्यावरण संगठन ने विभिन्न स्तरों पर पेड़ लगाने का काम सरकार से मिलकर किया है। पर्यावरण विशेषज्ञ का मत है कि अगर मानव साम्यता ने बनो की अनदेखी की तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का जल स्तर कम होता जायेगा और नदियों में पानी नहीं रहेगा ।भारत में कुछ नदियों को छोड़कर अधिकतर नदियों में बरसात को छोड़कर जल सूख जाता है ।गंगा, जमुना,महानदी, गोमती, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, सिंध, रावी, व्यास, सतलुज,आदि नदियों के किनारे ही मानव साम्यता का जन्म हुआ था।

इन नदियों के डेल्टा में सुंदर बन,जैसे विशाल जंगल श्रृंखलाओं का जन्म हुआ था। पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ स्टैन का मानना है कि जंगल नहीं होंगे तो जल,जीव, मानव, पशु पक्षी, वनस्पति का विकास नहीं होगा । उन्होंने कहा है कि पृथ्वी के आवरण से ओजोन परत को पृथ्वी के बढ़ते ताप क्रम से नुकसान हुआ है और ग्लेशियरों का पिघलना जारी है ।यह भी जनसंख्या दबाव के कारण है ।इस मामले में यूरोपीय देशों में जनसंख्या दबाव कम है।

0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1348

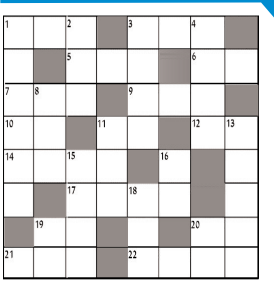

संकेत: बाएं से दाएं

1. ब्रायन लारा पहले ऐसे क्रिकेटर है जिसने टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा 400 रन बनाए, यह स्कोर इस देश के खिलाफ बनाए थे (3)
3. 14 वीं-15 वीं शताब्दी के प्रसिद्ध सूफी संत जिन्हें नीरूनमीमा नामक जुलाहे दंपत्ति ने पाला था (3)
5. काव्य मर्मज्ञ, रस पान करने वाला (3)
6. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
7. जागृत होना, नींद से उठना (3)
9. जीवन, जिंदगी (3)
10. मेरा या मेरी (संस्कृत)(2)
11. ब्रत, विद्या, आगे की ओर (2)
12. छोटा, निःसार, तीन प्रकार के प्राणायामों में से एक (2)
14. वायुयान में चालक के बैठने की सीट (4)
17. अपने अधिकारों का दुरूपयोग करने वाला, स्वेच्छाचारी (4)
19. एक बार सांस लेने का समस, कश (2)
20. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
21. जिसने कोई घटना अपनी आंखों से देखी हो, साक्ष्य (3)
22. अग्नि बुझाने का यंत्र (4)

ऊपर से नीचे

1. इंतजाम करने वाला (6)
2. भयभीत होना, खौफ जदा होना (3)
3. क से ह तक की वर्णमाला (4)
4. पुराणानुसार सात लोकों में से छठे लोक का नाम जहां की भूमि पथरीली है (4)
8. खुशबू, सुगंध, महक (3)
11. बिहार के इस शहर का पुराना नाम पाटलिपुत्र था (3)
13. किसी द्रव्य या पानी में घुलने वाला (5)
15. पिता का पिता, दादा, बाबा (4)
16. अनुराग, प्रेम, लालसा, इच्छा (2)
18. संभव है कि, कदाचित (3)
19. औषधि, उपचार (2)
20. कौआ पक्षी, काग (2)

वर्ग पहेली 1347 का हल

ला	हौ	र		ब	र	ग	द
म	ज	मा		ह	मा	रा	
बं		ना	म	क		रा	पी
दी	न		स	ना	थ		प
	म	ह	ल		प	ह	ल
ता	क		ना	पा	क		
	ख्वा	ब		ता	ना	बा	ना
शा	र	दा		ल		द	ल

पाठयक म में आमूलचूल परिवर्तन

आईआईटी-दिल्ली ने छात्रों पर बोझ कम करने और उद्योग जगत की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बारह वर्षो के बाद अपने पाठयक म में आमूलचूल परिवर्तन किया है। संस्थान के निदेशक रंगन बनर्जी ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाठयक म में पिछली बार संशोधन 2013 में किया गया था। इस बीच, उद्योग जगत की मांग तेजी से बदल रही है..एआई एक नया उभार है, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सुधार की कवायद 2022 में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षो में संस्थान ने हितधारकों से व्यापक प्रतिक्रिया ली है, और उनकी मांग और जरूरत के अनुसार जरूरी बन पड़े बदलाव पाठयक म में किए हैं।

पाठयक म को ही कम नहीं किया गया है, बल्कि कक्षा का आकार कम करने का फैसला भी किया गया है। पहले दो सेमेस्टर के लिए कक्षा का आकार अब 200 की बजाय 150 होगा ताकि छात्र पर अधिक ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। कहा जा सकता है कि आईआईटी का पाठयक म संबंधी फैसला दूरगामी परिणाम हासिल करने की दृष्टि से किया गया है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

इससे पूर्व नई शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है और अब देश के एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान का यह फैसला क्रांतिकारी पर्वितन की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया जा सकता है। वैसे भी एआई और प्रोग्रामिंग जैसे पाठयक मों का शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी बन गया है। जरूरी है कि जटिलताएं शिक्षण-प्रशिक्षण में खासी अवरोध खड़े करती हैं।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

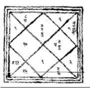

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन लाभ देने वाला है। इस राशि के लोगों को आज धन लाभ होगा जिससे परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। इस राशि वाली महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। उन्हें अपने ननिहाल या मायके की तरफ से खुशखबरी मिल सकते हैं।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कार्य स्थल की व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। टूर एंड ट्रेवल्स तथा मीडिया संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। व्यापार बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करेंगे।

कर्क राशि- लेखकों के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज इन्हें अपने लेखन शैली से जीवन में सफलता मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने परिवार के किसी सदस्य से नये वस्त्रों की प्राप्ति हो सकती है।

सिंह राशि- दिन आज व्यस्तता के साथ गुजरेगा फिर भी आपको यह सोचकर अच्छा लगेगा कि आज आपने पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है। इसके साथ ही आप घर वापस आकर अगले दिन के लिए टारगेट सेट करेंगे

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। यदि किसी कारण से कुछ खोने का डर है तो आप निश्चिन्त हो जाएं,

तुला राशि- आज आपका दिन रोज से अच्छा रहेगा। आप अपने कामकाजी जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर जीवनसाथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। यह आपके अपने रिश्ते को संजोए रखने के लिए आवश्यक कदम होगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है,

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज दोस्तों और संबंधियों से पूरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा।

मकर राशि- आज दिन की शुरूआत अच्छी होगी। इससे परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। छात्रों को आज कोई शुभ सूचना मिलने वाला है। करियर में बदलाव आयेगा। पुराने समय को भूलकर आगे बढ़ेंगे तो सफल हो जाएंगे। आपकी सोच में बदलाव आयेगा,

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत सामान्य रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी।

मीन राशि- आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे।

सुअर पालन लाभ का व्यवसाय

नर व मादा सुअरों का प्रतिस्थापन के दौरान मुख्य बिन्दुओं का ध्यान रखें

- सुअर की मां हमेशा 8 से अधिक बच्चे पैदा करने वाली रही हो। दूध छोड़ने के समय (56 दिन) मादा सुअर का वजन 120 किलोग्राम से कम न हो। नर व मादा दोनों ही 6 माह में 90 किलोग्राम वजन प्राप्त कर लें।
- सुअर का शरीर पर्याप्त लम्बाई और गहराई वाला हो एवं कसा हुआ मांसल शरीर हो।
- सुअर का पैर व पंजे मजबूत हो। सुअर का पिछला हिस्सा मांसल सुअर की वसा का मात्रा को इंगित करता है जैसे कि मादा सुअर में 4 सेमी मोटाई का पिछला हिस्सा मांसल हो, एवं नर सुअर में 3.2 सेमी पिछ्ला हिस्सा होना चाहिए।
- मादा सुअर में 12 की संख्या में कार्यशील चुचुक हो। बंद चुचुक वाले जानवर नहीं पालने चाहिए, क्योंकि इनसे दूध नहीं निकलता है, और यह दोष अनुवांशिक भी होता है।
- चयन के दौरान ब्रुसेल और लेपटोस्पयरा का टीका लगा होना चाहिए।
- सुअर सभी प्रकार की संक्रामक बीमारियों से मुक्त हो।

किसी भी ब्रीडिंग फार्म के लिए नर सुअरों का चयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। नर सुअर सदैव ब्रीडर फार्म से खरीदें जिन्हें इनके बारे सही जानकारी हो। नर सूअर सदैव ऐसे हो कि अच्छी किस्म की मादा से पैदा हुए हों, जो अत्यधिक बच्चे पैदा करती हो। दूध छोड़ने के बाद सूअर का वजन 90 किलोग्राम हो।

सूअर पालन किन्हें करना चाहिए?

- छोटे एवं भूमिहीन किसान, आंशिक कार्य के तौर पर शिक्षित बेरोजगार लोगों के लिए आय का अच्छा साधन है।
- अशिक्षित महिलाओं एवं युवाओं के लिए सुअर पालन अच्छा व्यवसाय है।

प्रजातियां– वृहद श्वेत यार्कशायर, लेण्डरेस, मध्य श्वेत यार्कशायर–

प्रजनन के लिए सन्तति का चयन

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए–

- सुअर में बच्चे पैदा करने की ताकत, जैव शक्ति एवं दूध उत्पादन की क्षमता होनी चाहिए।
- प्रत्येक किसान को सुअर का समूह पालने के पूर्व जांच करें कि सुअर विश्वसनीय और रोगमुक्त हो। इस प्रकार की जानकारी ले लेना चाहिए। एक बार सुअरों का समूह स्थापित होने के बाद, मादा एवं नर सुअरों का प्रतिस्थापन, संकरण करें।
- जब मादा सुअर को प्रजनन समूह में रखना हो तब उसका वजन करीब 90 किलोग्राम हो।
- वयस्क मादा सुअरों का चयन करते समय देखें कि उनकी माँ अधिकांश बच्चे बचाने वाली हो।
- बाजार की मांग के अनुरूप हो, कम से कम समय में अधिक वजन प्राप्त हो।
- यह वांछनीय है कि मादा सुअर से मेटिंग करे और प्रतिदिन उनका वजन बढ़ें। साथ ही दाना मांस में परिवर्तित करने की क्षमता हो।

खाद्य आहार प्रबंधन

- सबसे सस्ते खाद्य आहार घटकों का इस्तेमाल हो।
- मक्का, ज्वार, बाजरा, गेंहू, चावल आदि का प्रयोग हो।
- प्रोटीन घटकों में आयल केक, मछली का चूना खली हो।
- सुअर यदि बाहर घास चरते हैं तो उन्हें कोई भी विटामिन घटक देने की जरुरत नहीं है, यदि उन्हें पशु प्रोटीन नहीं देते हैं, तब विटामिन बी 12 का घटक दें।
- प्रति किलो राशन में 11 मिलीग्राम एंटीबायोटिक का मिश्रण दें।
- खनिज मिश्रण का पर्याप्त मिलान हो सभी प्रकार के दानों का मिश्रण पिसा हुआ हो गीला दाना नहीं पिसाना चाहिए, सूखा दाना पिसाई करना चाहिए। गीली पिसाई में अधिक समय व श्रम लगता है। यदि दाने में फाइबर अधिक है, तो पेलेटेड दाना बनाना चाहिए। पेलेटेड दाने से आहार की बर्बादी रुक जाती है।

सुअरों का अच्छा समूह विकसित करने के लिए निम्न विशेषताएं होनी चाहिए–

- सुअर के लीटर की ताकत एवं जैव शक्ति, दूध उत्पादन की क्षमता।
- लाभ, दाना परिवर्तित करने की क्षमता।

ज्वार उत्पादन की उन्नत तकनीक

भूमि व भूमि की तैयारी

ज्वार के लिये ऐसे खेत का चुनाव करें जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो, जहां पर पानी रुकता हो वहां पर ज्वार की बुवाई न करें। ज्वार की बोनी के पूर्व, खेत की 3–4 बार जुताई कर खेत की तैयारी करें।

बीज दर व बुवाई का समय

ज्वार की बुवाई मानसून सक्रिय होने के बाद तुरंत कर दें, अन्यथा तना छेदक कीट व प्रकोप अधिक होता है। ज्वार की बुवाई का उपयुक्त समय जून अंत से मध्य जुलाई तक का है। बुवाई के लिये 12–15 किग्रा प्रमाणित बीज/हैक्टेयर की दर से लें, कतार से कतार की दूरी 45 से.मी. व पौधे से पौधे की दूरी 12–15 से.मी. रखें, ध्यान रखें बीज 2–3 से.मी. से अधिक गहरा न जाये। इस तरह से बुवाई करने पर 1,50,000 से 1,75,000 लाख पौधे प्रति हैक्टेयर रखे जा सकते हैं।

उन्नत किस्में

1. कम्पोजिट किस्में– जवाहर ज्वार–741, जवाहर ज्वार–938, जवाहर ज्वार–1041, एस.पी.वी.–1022, एसएसवी–15.
2. संकर किस्में– सी.एस.एच.–5, सी.एस.एच.–6 सी.एस.एच.–9, सी.एस.एच.–18, सी.एस.एच.–16.

भूमि उपचार

भूमिगत कीड़ों व दीमक की रोकथाम के लिये क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किग्रा/हैक्टेयर की दर से बुवाई से पूर्व खेत में मिला दें।

बीज उपचार

ज्वार के बीज को बुवाई पूर्व 2.5 ग्राम थायरम या मैंकोजेब प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। उसके पश्चात बीज को ऐजेटोबैक्टर तथा पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित करें। एजेटोबैक्टर कल्चर से उपचारित करने पर 20 किग्रा नत्रजन की प्रति हैक्टेयर बचत की जा सकती है।

अन्तरवर्तीय फसल

ज्वार के साथ दलहनी फसलों की अन्तरवर्तीय फसलें जहां भी संभव हो लें। ज्वार की कम ऊंचाई व शीघ्र पकने वाली किस्मों के साथ–साथ दलहनी फसलें जैसे अरहर, मूंग, सोयाबीन की अन्तरवर्तीय फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

खाद व उर्वरक

ज्वार के अच्छे उत्पादन हेतु सिंचित अवस्था में 80 किग्रा नत्रजन: 40 किग्रा स्फुर: 20 किग्रा पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करें व असिंचित अवस्थ में 40 किग्रा नत्रजन, 20 किग्रा स्फुर व 20 किग्रा पोटाश प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

निंदाई - गुड़ाई

बाजरे के अच्छे उत्पादन में निंदाई व गुड़ाई का विशेष महत्व है यह कार्य बुवाई से 20–25 दिन बाद करने से वायु का संचार अच्छा होता है व पौधों पर मिट्टी चढ़ जाती है व नमी लम्बे समय तक बनी रहती है, यदि लगातार बरसात हो रही है तो रसायनिक खरपतवारनाशक एट्राजीन की 0.5 किग्रा (सक्रिय तत्व) का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

उपज

सामान्यतः ज्वार की उन्नत किस्मों व उन्नत विधियों से खेती करने पर औसतन 30–45 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक दाने की उपज मिल जाती है। ज्वार की कड़वी से औसत सूखा चारा 80–100 क्विंटल/हैक्टेयर उपज प्राप्त होती है।

लघुधान्य फसलों की उत्पादन तकनीक

भूमि की तैयारी

ये फसलें प्रायः हर प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती हैं। जहां कोई अन्य धान्य फसल उगाना संभव नहीं होता, वहां भी ये फसलें सफलतापूर्वक उगाई जा सकती हैं। उतार–चढ़ाव वाली, कम जलधारण क्षमता वाली, उथली सतह वाली आदि कमजोर किस्म की भूमि में यह फसलें अधिकतर उगाई जा रही हैं। हल्की भूमि में, जिसमें पानी का निकास अच्छा हो, इनकी खेती के लिए उपयुक्त होती हैं।

बीज का चुनाव एवं मात्रा

भूमि की किस्म के अनुसार उन्नत किस्म के बीज का चुनाव करें। हल्की पथरीली व कम उपजाऊ भूमि में जल्दी पकने वाली जातियों का तथा मध्यम गहरी व दोमट भूमि में एवं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में देर से पकने वाली जातियों की बोनी करें। लघु धान्य फसलों की कतारों में बुवाई के लिए 8–10 किलोग्राम बीज तथा छिटकवां बोनी के लिए 12–15 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

बोने का समय, बीजोपचार एवं बोने का तरीका

वर्षा आरंभ होने के तुरंत बाद लघु धान्य फसलों की बोनी कर दें। शीघ्र बोनी करने से उपज अच्छी प्राप्त होती है। कोदों में सूखी बोनी मानसूनी वर्षा आने के दस दिन पूर्व करने पर उपज में अन्य विधियों से अधिक उपज प्राप्त होती है। बोनी के पूर्व बीज को मेंकोजेब या थायरम दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। ऐसा करने से बीज जनित रोगों एवं कुछ हद तक मिट्टी जनित रोगों से फसल की सुरक्षा होती है। कतारों में बोनी करने पर कतार से कतार की दूरी 20–25 सेमी तथा पौधों से पौधों की दूरी 7 सेमी उपयुक्त पाई गई है। इसकी बोनी 2–3 सेमी गहराई पर करें। प्रयोगों द्वारा पाया गया है कि कोदों में 6–8 लाख एवं कुटकी में 8–9 लाख पौधे प्रति हेक्टेयर अधिकाधिक उत्पादन वृद्धि हेतु आवश्यक होता है।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

प्रायः किसान इन लघु धान्य फसलों में उर्वरक का उपयोग नहीं करते हैं। किन्तु कुटकी, कंगनी, सांवा के लिए 40 किलो यूरिया, 125 किलो स्फुर/ हेक्टेयर तथा कोदो एवं रागी के लिए 87 किलो यूरिया व 125 किलो स्फुर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करने से उपज में वृद्धि होती है। उपरोक्त नत्रजन की आधी मात्रा व स्फुर की पूरी मात्रा बुवाई के समय एवं नत्रजन की शेष आधी मात्रा बुवाई के तीन से पांच सप्ताह के अंदर निंदाई के बाद दें।

निंदाई गुड़ाई

बुवाई के 20–30 दिन के अंदर एक बार हाथ से निंदाई करें तथा जहां पौधे न उगे हो वहां पर अधिक घने उगे पौधों को उखाड़कर रोपाई करके पौधों की संख्या उपयुक्त करें। यह कार्य 20–25 दिनों के अंदर कर ही लें। यह कार्य पानी गिरते समय सर्वोत्तम होता है।

उन्नत जातियां

(अ) कोदों – जवाहर कोदों 48 (डिण्डौरी–48), जवाहर कोदों – 439, जवाहर कोदों – 41, जवाहर कोदों – 62, जवाहर कोदों – 76, जीपीयूके – 3

(ब) कुटकी – जवाहर कुटकी – 1(डिण्डौरी–1), जवाहर कुटकी–8, सीओ– 2, पीआरसी – 3

(स) रागी – एचआर–374, आरएयू–8, जेएनआर–2, जेएनआर–852, जेएनआर–1008

(द) कंगनी – अर्जुना, – एसआईए–326

(ई) सांवा – वीएल–29, के–1

(फ) चीना – जीपीयू–17, के–1

फसल की कटाई-गहाई एवं भण्डारण

फसल पकने पर कोदों व कुटकी को जमीन की सतह के ऊपर कटाई करें। खलिहान में रखकर सुखाकर बैलों से गहाई करें। उड़ावनी करके दाना अलग करें। रागी सांवा एवं कंगनी को खलिहान में सुखाकर तथा इसके बाद लकड़ी से पीटकर अथवा पैरों से गहाई करें। दानों को धूप में सुखाकर भण्डारण करें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा पर्यावरण दिवस मनाया गया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा 5 जून 2025 को पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत डब्ल्यू आर एस रेलवे कॉलोनी में स्थित सेक्रो द्वारा संचालित टाइनी टॉट स्कूल में अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह की उपस्थिती में उपाध्यक्षा श्रीमती अदिति अग्रवाल, सचिव श्रीमती रश्मि गुप्ता, सह सचिव श्रीमती अमृता शाह एवं सेक्रो सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

ज्ञात हो कि प्रत्येक वर्ष पर्यावरण दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (रायपुर मंडल) द्वारा पर्यावरण दिवस को प्राथमिकता देते हुए रेलवे कॉलोनियों में पौधरोपण कर इनकी देख रेख की जाती है, साथ ही कालोनीवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता है।

मनेंद्रगढ़ में प्रशासन ने की अवैध अतिक्रमण हटाने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

50 वर्षों से भी अधिक समय से काबिज दुकानदारों के सामने अब रोजी-रोटी की समस्या

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ के इतिहास में प्रशासन के द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने की सबसे बड़ी कार्रवाई रविवार को की गई। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अतिक्रमण हटाने के लिए 5 की संख्या में जहां जेसीबी लगाए गए थे वहीं किसी प्रकार की कोई अप्रिय स्थिति निर्मित न हो इसके लिए जिले के 5 थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ राजस्व, नपा अमला और कोटवारों को भी तैनात किया गया था। 4 घंटे से भी अधिक समय तक चली कार्रवाई के दौरान मनेंद्रगढ़ और जनकपुर के एसडीएम मौके पर उपस्थित रहकर पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए थे।

जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में भूपेंद्र क्लब के नाम से दर्ज 30 हजार वर्गफीट जमीन में से आधी जमीन पर करीब 24 दुकानों का निर्माण कर अनाधिकृत रूप से बेजा कब्जा किया गया था, जिसे हटाए जाने की दिशा में पिछले कुछ दिनों से प्रशासन सक्रिय था। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने जिले के 5 थाना क्षेत्रों पोंड़ी, चिरमिरी, खड़गवां, मनेंद्रगढ़ और झगराखंड से पर्याप्त पुलिस बल मौके पर तैनात करने एवं सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद रविवार की सुबह 11 बजे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। सर्वप्रथम सभी अतिक्रमणकारियों की बिजली काटी गई इसके बाद बस स्टैंड और मार्केट की ओर जाने वाले मार्ग को बेरीकेट्स लगाकर बंद किया गया। अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करने के लिए 5 की संख्या में जेसीबी लगाए गए। 11 बजे से शुरू होकर दोपहर बाद करीब साढ़े 3 बजे तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चलती रही। इस बीच मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। 50 वर्षों से भी अधिक समय से काबिज लाचार और बेबस अतिक्रमणकारी अपनी आंखों के सामने जहां वे अपनी दो वक्त की रोटी कमाते थे, उसे जमींदोज होते देखते रहे। कार्रवाई के दौरान एसडीएम लिंगराज सिदार मनेंद्रगढ़, शशिशेखर मिश्रा भरतपुर, एसडीओपी मनेंद्रगढ़ एलेक्स टोप्पो, तहसीलदार मनेंद्रगढ़ श्रुति धुर्वे, समीर शर्मा नागपुर, नीरजकांत तिवारी जनकपुर आदि मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश पर हटाया गया अवैध अतिक्रमण - एसडीएम

अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मौके पर उपस्थित मनेंद्रगढ़ एसडीएम लिंगराज सिदार ने कहा कि मनेंद्रगढ़ व्यापारिक शहर होने के साथ एमसीबी जिले का जिला मुख्यालय है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र क्लब शासकीय जमीन पर विगत कुछ वर्षों से लोगों का अवैध कब्जा रहा है, जिसे विधिवत न्यायालय के आदेश पर खाली कराया गया है। एसडीएम ने बताया कि 24 दुकानें थीं जिनमें से 1 दुकान को उच्च न्यायालय से स्थगन प्राप्त है, उसे छोड़कर शेष दुकानों में स्थगन नहीं होने की वजह से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है।

लोकगायक मस्तुरिया की जयंती पर कलाकरों ने दी लोकगीतों की प्रस्तुति

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ की लोकधरा के महान सपूत, जनकवि, गीतकार, संगीतकार एवं गायक स्व. लक्ष्मण मस्तुरिया की 76वीं जयंती का आयोजन ग्राम पंचायत बंजी में जोगनी लोक कला मंच के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोक कलाकारों और ग्रामीणों ने हिस्सा लेकर उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और लक्ष्मण मस्तुरिया के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक लोकगीतों की प्रस्तुति दी, जिनमें उनकी कालजयी रचनाएं मोर संग चलव रे मैं बंदत हौं दिन रात, मोर छईहा भुईया जय होवय तोर, पुन्नी के चंदा मोर गांव मं, वाह रे मोर पड़की मैना, बखरी के तुमा नार, गवई गंगा जैसी अनेक रचनाएं शामिल थीं। समारोह में उपस्थित लोक कलाकारों और समाजसेवियों ने मस्तुरिया के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल छत्तीसगढ़ी साहित्य और लोकसंगीत को समृद्ध किया, बल्कि सामाजिक चेतना और जनजागरण की मशाल भी प्रज्वलित की। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचायत बंजी के सरपंच देव कुमार ने कहा कि मस्तुरिया जी छत्तीसगढ़ की आत्मा थे। उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को माटी से जोड़ने का काम करेंगी। हमें गर्व है कि हम ऐसे जननायक की जयंती में सहभागी बन सकें।

लखौली और आरंग भट्ठी से बिंदास शराब ढो रहे कोचिये, अमला कर रहा अनदेखा

रायपुर। लखौली और आरंग शराब भट्ठी से कोचिये बिंदास शराब ढो रहे हैं। ये दोनों शराब भट्ठी आरंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन दोनों भट्ठियों से शराब न केवल आरंग थाना क्षेत्र के ग्रामों में वरन भानसोज शराब भट्ठी विरोधी सफल आंदोलन से जुड़े मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्रामों तक भी पहुंच रहा है। आबकारी व थाना अमला इसे अनदेखा किये बैठे हैं और इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

क्षेत्रीय ग्रामीणों से मिल रही जानकारी व पुष्टि के बाद शराब विरोधी मुहिम से जुड़े किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने बीते कल गुरुवार को आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह को ज्ञापन सौंप इस इसकी वजह से ग्रामों में अशांति व्याप्त हो कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की जानकारी देते हुये कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होने की ओर ध्यानाकृष्ट कराते हुये इस पर मुहाने पर ही रोक लगाने का दायित्व निबाहने का आग्रह किया है। ज्ञातव्य हो कि बीते दिनों आयोजित समाधान शिविरों में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने आवेदन दे अवैध शराब, गांजा व नशीली गोलियों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की थी व श्री शर्मा ने जिलाधीश व पुलिस अधीक्षक सहित सहायक आयुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा को भी ज्ञापन सौंप इस ओर ध्यानाकृष्ट कराया था पर अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही न होने की जानकारी मिली है।

27 नक्सलियों की मौत के विरोध में नक्सलियों ने मंगलवार को किया भारत बंद का आह्वान

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ (गुंडेकोट, नारायणपुर/गढ़चिरोली से सटे) जंगलों में 21 मई को मुठभेड़ में माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू समेत 27 नक्सलियों की मौत के विरोध स्वरूप, प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय समिति प्रवक्ता अभय ने 10 जून 2025 को राष्ट्रव्यापी भारत बंद का आह्वान किया है। माओवादियों की केंद्रीय समिति ने एक बयान जारी कर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, सरकार ने शांति वार्ता और युद्धविराम के प्रस्ताव को नकारते हुए लगातार माओवादी कार्यकताओं के खिलाफ सैन्य अभियान तेज किया है। 21 मई को मुठभेड़ में मारे गए 27 माओवादियों में बसव राजू भी शामिल थे। बसव राजू को माओवादी आंदोलन का शीर्ष रणनीतिकार और महासचिव माना जाता था। माओवादियों का आरोप है कि जनवरी 2024 से

अब तक सरकार द्वारा चलाए गए अभियानों में करीब 540 माओवादी मारे जा चुके हैं। सरकार की इस दमनकारी नीति के विरोध में 10 जून को भारत बंद का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही 11 जून से 3 अगस्त के बीच मारे गए माओवादियों की स्मृति में स्मारक सभाएंझभी आयोजित की जाएंगी।

राशन वितरण में शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही करें - खाद्य मंत्री बघेल

रायपुर। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की। मंत्री श्री बघेल ने बैठक में कहा कि सरकार ने प्रदेश के सभी राशनकार्ड धारियों को माह जून से अगस्त तक तीन माह का एकमुश्त चावल देने का निर्णय लिया है। राज्य के सभी 13965 शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को एक जून से चावल वितरण प्रारंभ हो गया है। उन्होंने चावल वितरण में तेजी लाने के साथ ही सभी राशनकार्ड धारियों को आगामी तीन माह का एकमुश्त चावल मिले इस पर विशेष रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चावल वितरण में गड़बड़ी की शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने उचित मूल्य के दुकानों में चावल भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली।

खाद्य मंत्री श्री बघेल ने बैठक में वर्ष 2022-23 से वर्ष 2024-25 के स्टॉक सत्यापन की कार्यवाही की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सितम्बर 2022 की स्थिति में भौतिक सत्यापन उपरांत कम पाए गए खाद्यान्न की वसूली तेजी के साथ किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 335 उचित मूल्य के दुकानों में लगभग 124 करोड़ के राशन सामग्री कम पाए गए थे, जिसमें से 119 करोड़ रूपए की वसूली की जा चुकी है। पांच करोड़ रूपए की वसूली शेष है, जिस पर कार्यवाही की जा रही है। वहीं 27 उचित मूल्य दुकान संचालकों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करायी गई थी। मंत्री श्री बघेल ने शेष वसूली भी शीघ्र करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री ने चना वितरण एवं भंडारण की स्थिति की भी जानकारी ली। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने कहा कि रिक्त पदों की पूर्ति हेतु शीघ्र भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने वित्त विभाग से अनुमति ले चुके पदों के लिए पीएससी और व्यापंम को भर्ती प्रस्ताव भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता आयोग राज्य एवं जिला स्तर पर अध्यक्षों और सदस्यों के रिक्त पदों पर विधिसम्मत भरने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने आयोग में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया। मंत्री श्री बघेल ने विधिक मापविज्ञान विभाग की प्रगति की समीक्षा की। नाप तौल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2024-25 में नाप तौल के सत्यापन एवं मुद्रांकण से 13.5 करोड़ रूपए की राजस्व प्राप्ति हुई है। वहीं 2.21 लाख नाप तौल उपकरणों का सत्यापन किया गया है। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि माप तौल प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। वहीं लायसेंस प्रदान करने की समय सीमा भी कम की जाए। बैठक में खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक श्रीमती किरण कौशल, मार्कफेड के प्रबंध संचालक श्री रमेश शर्मा, विधिक मापविज्ञान विभाग के संचालक श्री देवेन्द्र भारद्धाज सहित खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बीईओ मनेंद्रगढ़ को कारण बताओ नोटिस

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में नियमानुसार कार्य नहीं किए जाने की वजह से एमसीबी कलेक्टर ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनेंद्रगढ़ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नोटिस में कहा गया कि जिला स्तरीय समिति द्वारा युक्तियुक्तकरण में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु दस्तावेजों का मिलान कार्य 7 जून को किया गया है जिसमें पाया गया कि मनेंद्रगढ़ विकासखंड के 3 विद्यालयों माध्यमिक शाला साल्ही, लेदरी एवं प्राथमिक शाला चिमटीमार में दुर्गा त्रिपाठी, गुंजन शर्मा एवं संध्या देवी सिंह का अतिशेष चिन्हांकन गलत किया गया है। उक्त कृत्य से यह प्रतीत होता है कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में नियमानुसार कार्य नहीं किया गया है।

कारण बताओ नोटिस में बीईओ को कहा गया कि उनका कृत्य पदीय दायितवों के प्रति उनकी गंभीर लापरवाही को दशार्ता है एवं सिविल सेवा आचरण नियम के विपरीत है। मनेंद्रगढ़ बीईओ को 9 जून की दोपहर 12 बजे तक जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। संतोषप्रद जवाब नहीं होने की दशा में एकपक्षीय कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

C M Y K

Sports Live

श्रीनगर और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

जम्मू, 8 जून। उत्तर रेलवे ने श्रीनगर शहर और जम्मू-कश्मीर के कटरा शहर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शनिवार को शुरू हो गया, जिसे 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी।

यह रेल सेवा रियासी जिले के कटरा कस्बे को कश्मीर घाटी से जोड़ती है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद इस साल सितंबर में जम्मू से घाटी तक रेल सेवा संचालित होगी।

रोहित शर्मा के बाद कौन होगा वनडे में टीम इंडिया का अगला कप्तान, नाम आ गया सामने

नई दिल्ली, 8 जून। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. अब वो सिर्फ भारत के लिए वनडे फॉर्मेट खेलते हुए नजर आएंगे. इस समय तक रोहित शर्मा भारत के लिए वाइट बॉल फॉर्मेट (सिर्फ वनडे) में कप्तान है.

लेकिन क्या रोहित को वनडे में कप्तान बनाया रखा जाएगा. क्या हिटमैन को वनडे टीम में बरकरार रखा जाएगा. इसको लेकर भी लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं. दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित टेस्ट क्रिकेट अभी और खेलना चाहते थे. उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर बतौर कप्तान खेलते हुए बीच में संन्यास लेने की बात भी कही थी लेकिन चयनकताओं ने उन्हें बतौर खिलाड़ी पूरी सीरीज खेलने को कहा था. इसके बाद रोहित शर्मा ने अचानक संन्यास ले लिया.

रोहित ने रेड बॉल क्रिकेट के लिए अपना प्यार खुलकर कई बार जाहिर किया है. यहां तक कि उनके पिता को भी टेस्ट क्रिकेट पसंद है और वो रोहित के संन्यास से निराशा भी नजर आए. ये बात रोहित ने एक इंटरव्यू के दौरान कही थी. ऐसे में क्या बीसीसीआई और चयनकर्ता रोहित शर्मा को वनडे टीम से भी बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं ये अपने आप में ही बड़ा सवाल बना हुआ है.

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं. इस समय रोहित की उम्र 38 साल से ज्यादा है और अभी वर्ल्ड कप 2027 में लगभग 2 साल से ज्यादा का समय बाकी है. तब तक रोहित 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे. ऐसे में क्या बीसीसीआई और चयनकर्ता उन पर दांव लगाना चाहेंगे. ये सबसे बड़ा सवाल है.

ये भी हो सकता है कि टेस्ट की ही तरह चयनकर्ता रोहित शर्मा का पत्ता वनडे से भी काट दें और भविष्य की टीम बनाने के बारे में सोचें जो वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेल सके. भारत को टेस्ट में रोहित के बाद नया कप्तान शुभमन गिल के रूप में मिला है. वहीं टी20 से संन्यास के बाद रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में सूर्यकुमार यादव को भारत का टी20 कप्तान बनाया गया है. अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट बचा है जिससे अगर रोहित की बतौर कप्तान छुट्टी हुई तो बीसीसीआई और चयनकर्ता उनका विकल्प तलाशने पर मजबूर हो जाएंगे. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी कप्तानी से सभी को प्रभावित करने वाले श्रेयस अय्यर भारतीय क्रिकेट टीम की वाइट बॉल कैप्टेंसी के दावेदार माने जा रहे हैं. बीसीसीआई और चयनकर्ता अगर रोहित शर्मा को वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान के तौर पर हटाते हैं तो ऐसे में श्रेयस अय्यर के नाम पर कप्तान के रूप में विचार किया जा सकता है.

अय्यर ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत के लिए मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 11 मैचों में 2 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 530 रन बनाए थे. उनके पास वनडे वर्ल्ड कप खेलने का अनुभव भी है. अय्यर ने अपनी कप्तानी में आईपीएल 2024 में केकेआर को विजेता बनाया जबकि आईपीएल 2025 में फाइनल खेला जहां वो 6 रन से हार गए.

इसके साथ ही वो दिल्ली कैपिटल्स को भी फाइनल में पहुंचा चुके हैं. उनमें भविष्य में एक सफल कप्तान बनने के सारे लक्षण दिखाई देते हैं. ऐसे में बीसीसीआई और चयनकर्ता आने वाले भविष्य में अय्यर के नाम पर कैप्टेंसी के लिए विचार कर सकते हैं.

इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम ने शुरू की ट्रेनिंग

लंदन, 8 जून। ब्रिटेन पहुंचने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट टीम ने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। पांच मैचों की तैयारी के लिए युवा टीम ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया। इस टेस्ट सीरीज के साथ टीम इंडिया के लिए 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरूआत भी हो जाएगी।

यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरूआत का भी संकेत है, क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाडि?ों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। भारत का लक्ष्य 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना है।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर भारत के प्रशिक्षण सत्र की एक झलक साझा करते हुए कैप्शन लिखा, इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने की पहली झलक।

वीडियो में, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नए कप्तान शुभमन गिल, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत के साथ प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल हुए। ये एक कड़ा और तेज ट्रेनिंग सेशन था, जो लॉर्डस इंडोर क्रिकेट सेंटर में मुख्य कोच गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम की निगरानी में हुआ।

पांच मैचों की यह सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी, जिसके बाद बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमशः सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे।

रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए ओपनिंग की और नंबर तीन बल्लेबाज के तौर पर भी खेला है। 32 टेस्ट में गिल ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच शतक और सात अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारत की टीम : शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा. ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की हुई सगाई, सामने आया वीडियो, दिग्गजों ने दी बधाई

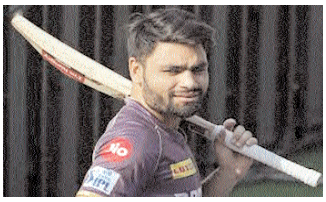

नई दिल्ली, 8 जून । लखनऊ स्थित एक होटल में रविवार को इंडियन क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी(सपा) से सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर दिग्गजों का जमावड़ा लगा। इस सगाई समारोह में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, जया बच्चन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

सगाई समारोह से रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की तस्वीर भी सामने आई है। इन तस्वीरों में प्रिया सरोज प्याजी रंग के लहंगे में दिखीं तो रिंकू सफेद रंग की शेरवानी पहने दिखे। सगाई की अंगूठी पहनाते वक्त सपा सांसद काफी भावुक हो गईं और फफक-फफक कर रो पड़ीं। इस भावुक क्षण में रिंकू ने उन्हें संभाल लिया। दोनों की जोड़ी को हर ओर से बधाईयां मिल रही हैं। यह जोड़ी इसी साल 18 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेगी। सगाई समारोह से कई वीडियो भी सामने आई हैं, जिसमें दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। रिंकू सिंह के चेहरे पर खुशी साफ तौर पर देखने को मिल रही है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि हम दोनों परिवारों को बधाई देने आए हैं। विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा, उन्हें बहुत-बहुत बधाई। वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, मैं उन्हें बधाई देने आया हूं। वे खुश रहें, धन्य रहें, और उनका वैवाहिक जीवन शानदार रहे।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस जोड़ी को अद्भुत बताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

छोटी खबरें

कोको गौफ ने पहली बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब

0-विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को फाइनल में हराया

नई दिल्ली, 8 जून। फ्रेंच ओपन महिला एकल का फाइनल 7 जून को फिलिप चैटियर कोर्ट में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और नंबर दो खिलाड़ी कोको गौफ के बीच हुआ. इस मैच में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली जिसमें कोको गौफ ने अंततः तीन सेटों का मैच 2-1 से जीत लिया और अपने करियर का पहला फ्रेंच ओपन खिताब जीता. यह कोको गौफ का टेनिस करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है. 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गौफ अपने टेनिस करियर में दूसरी बार फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया था. इससे पहले वो 2022 में फाइनल में पहुंची थी जहां उन्हें खिताबी मुकाबले में इगा स्विएटेक से हार मिली थी. इस बार कोको गौफ ने अपनी पिछली गलतियों से सीखा और खिताब जीतने में सफल रहीं. आर्यना सबालेंका के खिलाफ उनका मैच लगभग 2 घंटे 38 मिनट तक चला जिसमें कोको गौफ पहला सेट हार गईं जिसे आर्यना सबालेंका ने टाईब्रेकर में जाकर 7-6 से जीत लिया. पहला सेट हारने के बाद कोको गॉफ ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की और आर्यना सबालेंका पर दबाव पूरी तरह से खत्म कर दिया. कोको गौफ ने दूसरा सेट 6-2 से जीतकर मैच 1-1 से बराबर कर दिया. वहीं तीसरे सेट में आर्यना सबालेंका ने वापसी की कोशिश की लेकिन कोको गौफ ने 6-4 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया. जब कोको ने खिताब जीता तो वह खुशी से फर्श पर लेट गई और अपनी जीत का जश्न मनाया. कोको गॉफ ने इससे पहले 2023 में 18 साल की उम्र में यूएस ओपन का खिताब जीता था. आपको बता दें कि 2015 में सेरेना विलियम्स की जीत के बाद फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं और 2002 में सेरेना विलियम्स के बाद सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं. कोको अब 21 साल की उम्र में खिताब अपने नाम कर चुकी हैं.

महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई, 8 जून । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते बाजार का रुझान तय होगा।

12 जून को सरकार की ओर से महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। महंगाई का पूरी अर्थव्यवस्था पर असर होता है। इस कारण शेयर बाजार के लिए भी महंगाई के डेटा को काफी अहम माना जाता है। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अमेरिकी टैरिफ पर किसी भी अपडेट का बाजार पर काफी असर हो सकता है। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा है और लगातार दो हफ्तों की गिरावट के बाद बाजार तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी 252 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 और सेंसेक्स 737.98 अंक या 0.91 प्रतिशत बढ़कर 82,188.99 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व निफ्टी बैंक ने किया। इस दौरान मुख्य बैंकिंग इंडेक्स 1.5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 56,578.40 पर बंद हुआ। इस दौरान इंडेक्स ने 56,695 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया।

2-6 जून के कारोबारी सत्र में निफ्टी रियल्टी में 9.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। मीडिया और आईटी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) शुद्ध विक्रेता रहे और इस दौरान उन्होंने 3,565 करोड़ रुपए की इक्विटी मार्केट में बिकवाली की।

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

पुष्पा की हिरोइन बनी दीपिका पादुकोण, एटली की साई-फाई फिल्म में एक्ट्रेस की ऑफिशियल एंट्री

दीपिका पादुकोण का नाम इन दिनों इंटरनेट पर छाया हुआ है. हाल ही में उनकी संदीप रेड्डी वांगा के साथ हुई कॉन्ट्रोवर्सी ने खूब चर्चा बटोरी. जिसके बाद उनके प्रभास स्टारर स्पिरिट से बाहर होने की खबरें आईं. इतना ही नहीं उनके कल्कि 2 का हिस्सा ना होने की खबरें भी सामने आईं. लेकिन अब फाइनली उनके फैंस के लिए कुछ ऐसा आया है जिसके लिए वे एक्साइटेड और खुश दोनों हो सकते हैं. दीपिका पादुकोण ऑफिशियली एटली की अपकमिंग साई-फाई एए22&ए6 का हिस्सा बनने जा रही है.

एए22&ए6 के की टीम ने आधिकारिक तौर पर दीपिका पादुकोण के फिल्म में शामिल होने की पुष्टि कर दी है. आज प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने एक वीडियो रिलीज किया है जिसमें दीपिका एक खास सूट में एटली के निर्देशन में एक स्टूडियो में शूटिंग करती हुई नजर आ रही हैं. टीम ने इस साई-फाई प्रोजेक्ट के लिए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में हैं. सन पिक्चर्स ने लिखा, रानी विजय के लिए आगे बढ़ी. दीपिका पादुकोण का स्वागत है.

यह वीडियो अप्रैल में अल्लू अर्जुन के लिए रिलीज किए गए वीडियो के जैसा ही है, जब फिल्म की अनाउंसमेंट की गई थी. निर्देशक एटली ने ब्लू-मैट सेट पर सभी एक्टर्स के लुक का टेस्ट किया है. इस नए क्लिप में दीपिका पादुकोण हाथ में तलवार लिए घोड़े पर सवार दिखाई दे रही हैं, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म में फंतासी, पीरियड और साइंस-फिक्शन का मिक्सचर होगा.

इस फिल्म में अल्लू अर्जुन डबल रोल में नजर आएंगी और कथित तौर पर तीन से पांच लीड एक्ट्रेस होंगी. आज, टीम ने दीपिका पादुकोण के लुक और प्रोजेक्ट की लीड एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस कर दिया है. आने वाले दिनों में, मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर जैसी एक्ट्रेस के लुक की भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है. अल्लू अर्जुन के इस प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट होते ही फैंस एक्साइटेड हो गए थे और अंदाजा लगा रहे थे कि एटली और अल्लू जरूर कुछ बड़ा करने वाले हैं. अब दीपिका की एंट्री ने दर्शकों की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है. फैंस कमेंट सेक्शन में दीपिका के एक्शन की खूब तारीफ कर रहे हैं वहीं एटली के प्रोजेक्ट को अभी हिट बता रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, क्वीन इज बैक. एक ने कमेंट किया, एटली जरूर कुछ बड़ा लाने वाले हैं. एक यूजर ने लिखा, एटली, अल्लू अर्जुन, दीपिका पादुकोण, वाह क्या टीम है, एक ने कमेंट किया, बीजीएम कितना शानदार है, मैं तो अभी से एक्साइटेड हूं.

बता दें कुछ दिनों से दीपिका पादुकोण कुछ कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं. एनिमल फेम डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी ने दीपिका का नाम लिए एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस पर उनकी फिल्म की कहानी लीक करने का आरोप लगाया था. हालांकि नेटिजन्स को समझते देर ना लगी कि ये दीपिका के लिए था. इसके बाद उनके कल्कि 2 से बाहर होने की खबरें भी आईं. लेकिन अब एटली के साथ कोलेबोरेशन से उनके फैंस बहुत खुश और एक्साइटेड हैं.

००

धनुष, नागार्जुन की फिल्म कुबेर का दूसरा एकल अनगनगा कधा जारी, 20 जून को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

धनुष और नागार्जुन अभिनीत कुबेर की टीम प्रचार की लहर को मजबूत बनाए हुए है, और नवीनतम रिलीज, अनगनगा कधा, फिल्म के नैतिक सार की एक शक्तिशाली संगीतमय व्याख्या प्रस्तुत करती है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित सामाजिक थ्रिलर के लिए प्रत्याशा के रूप में, यह नया एकल फिल्म के सार को प्रकट करता है। यह वास्तव में एक भयावह संख्या है जो लालच, नैतिक पतन और इनके बीच फंसी नाजुक मानवता के विषयों के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है।

रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद द्वारा रचित, जो अपने चार्टबस्टर मास नंबर के लिए जाने जाते हैं, अनगनगा कढ़ा एक जानबूझकर बदलाव और एक प्रयोगात्मक, आत्मा को झकझोर देने वाला साउंडस्केप है जो उनकी सिग्नेचर स्टाइल से अलग है। गीतकार चंद्रबोस ने ऐसी पंक्तियाँ कही हैं जो गहरी चोट पहुँचाती हैं, आर्थिक असंतुलन और पैसे के भ्रष्ट प्रभाव जैसे भारी मुद्दों से निपटने के लिए गहन शब्दों का उपयोग करती हैं। यह गीत एक नैतिक कम्पास के रूप में कार्य करता है, जो दर्शकों को उस भावनात्मक क्षेत्र में ले जाता है जिसे फिल्म तलाशने का लक्ष्य रखती है।

अक्षय कुमार की हाउसफुल 5 बनी 2025 की सबसे बड़ी ओपनर, स्काई फोर्स और केसरी चैप्टर 2 को छोड़ा पीछे, ठग लाइफ को झटका

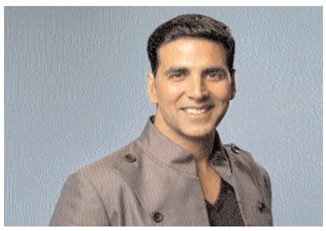

अक्षय कुमार को लंबे समय बाद हाउसफुल 5 के जरिए एक ऐसी फिल्म का मुंह देखने को मिला है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग ली है।

उनकी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी।

फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, फिल्म के क्लाइमैक्स की बड़ी तारीफ हुई। आइए जानें फिल्म ने टिकट खिड़की पर पहले दिन क्या कमाल किया। सैकनिल्क पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, हाउसफुल 5 ने इस फ्रेंचाइजी की सभी फिल्मों की पहले दिन की कमाई को पीछे करते हुए नंबर वन की गद्दी हासिल कर ली है।

फिल्म ने 23 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला है और पहले स्थान पर काबिल होने के लिए इसने हाउसफुल 4 का 19.08 करोड़ रुपये के ओपनिंग डे कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ा डाला है। यही नहीं, ये कॉमेडी जॉनर में भी अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है।

फिल्म इस साल रिलीज हुई छावा (31 करोड़), सिकंदर (26 करोड़) के बाद तीसरी सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है। हाउसफुल 5 कोरोनाकाल के बाद अक्षय की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली दूसरी फिल्म बनी। इससे पहले सूर्यवंशी ने 26.29 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। एडवांस बुकिंग से इस फिल्म ने 13.94 करोड़ रुपये कमाए थे और ऐसा करते ही ये फिल्म अक्षय के करियर में एडवांस बुकिंग से सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म बन गई।

दोस्ताना बनाने वाले निर्देशक तरुण मनसुखानी की ये पहली फिल्म है, जिसने पहले दिन इतनी बढि ?ा कमाई की है।

ये रिलीज के बाद देश की सबसे महंगी कॉमेडी फिल्म बन चुकी है। इसका बजट 225 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।

इस फिल्म की कहानी एक क्रूज शिप पर हुई हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है। अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी और नाना पाटेकर जैसे कई कलाकार इसका हिस्सा हैं।

कमल हासन की ठग लाइफ उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। फिल्म की कमाई में दूसरे दिन काफी गिरावट दर्ज की गई है।

ठग लाइफ ने रिलीज के पहले दिन 15.5 करोड़ की कमाई की थी, वहीं सैकनिल्क के मुताबिक इसने रिलीज के दूसरे दिन 7.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। मतलब यह कि दूसरे ही दिन इसकी कमाई आधी हो गई।

श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर में 10 जून को उत्सव

रायपुर। संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का तृतीय वार्षिक उत्सव 10 जून को चौबे कॉलोनी स्थित श्री चिंताहरण हनुमान मंदिर में मनाया जाएगा। इस मौके पर सुबह 6.30 बजे श्री गणेश मंदिर अग्रसेन चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। छप्पन भोग, पान भोग, भजन संध्या और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। कलाकार वीरेन्द्र साहू द्वारा स्केटिंग कर शोभायात्रा मार्ग में लाइव रंगोली व फायर रंगोली बनाई जाएगी। वहीं छिंदवाड़ा के प्रसिद्ध कलाकार विकास मालवी गायन प्रस्तुति देंगे।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

रायपुर, सोमवार 09 जून, 2025

जोगी विरोधियों ने पहले शराब पी, फिर जोगी प्रतिमा को उखाड़ कर कचरे में फेंक दी- अमित

रायपुर। गौरैला-पेंड्रा-मरवाही में ₹सुशासन₹ का क्या हाल है, आप सब को पता है, पिछले महीने यानि 25 मई की रात मानसिक दिवालियापन से ग्रसित, कुछ लोगों ने एक स्थानीय सरकारी अधिकारी के संग पटियाला ढाबा में बैठकर पहले खूब शराब पी और फिर आधी रात ज्योतिपुर चौक गौरेला में जाकर छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा को रात के अंधेरे में, हाइड्रा लाकर, प्रतिमा उखाड़ कर कचरे में फेंक दी। इस अत्यंत दुखद और विद्वंसकारी घटना से केवल जोगी की प्रतिमा को ठेंस नहीं बल्कि उनके चाहने वाले, उनका सम्मान करने वाले, प्रत्येक व्यक्ति की आत्मा को ठेस पहुंची है। आज 2 हफ्ते हो गए, न जोगी की प्रतिमा ज्योतिपुर चौक गौरेला में पुनर्स्थापित हो पायी और न ही दोषी पकड़े गए। वैसे, हम लोगों को कोई उम्मीद नहीं है कि, पुलिस-प्रशासन दोषियों को पकड़ पाएगा, क्योंकि ये अपराधी निडर होकर खुल्ले घूम रहे हैं, पुलिस-प्रशासन को छोड़कर पूरी दुनिया को दिख रहे हैं और तो और पिछले हफ्ते स्वास्थ्य मंत्री के साथ पेंड्रा गेस्ट हाउस में बैठकर ये अपराधी चाय पी रहे थे। उक्त बातें जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही।

अमित जोगी ने कहा कि इस पूरे मामले के तीन मुख्य बिंदु हैं। पहला अगर आपको जोगी जी की प्रतिमा से परेशानी थी तो आप लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करते, कानून का सहारा लेते, हमसे संपर्क करते, लेकिन रात के अंधेरे में चोरी छिपे प्रतिमा को क्यों उखाड़ा ? दूसरा यह है कि, जोगी की प्रतिमा ज्योतिपुर चौक में जोगी परिवार की आधिपत्य की निजी भूमि पर स्थापित हुई थी न की किसी सरकारी या सार्वजनिक जमीन पर तो आपने प्रतिमा को किस आधार पर हटाया और तीसरा आपका यह तर्क कि नगर पालिका गौरेला ने ज्योतीपुर चौक में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव पारित किया था, यह तर्क पूरी तरह झूठा, निराधार, भ्रामक और अवैधानिक है। सच तो यह है कि ज्योतिपुर चौक की जमीन सरकारी नहीं है, यह निजी भूमि है और जोगी परिवार के आधिपत्य की भूमि है। नगर पालिका गौरेला ने श्याम प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा टीकर बाईपास₹ में स्थित भूमि पर लगाने का प्रस्ताव पारित किया था न की ज्योतिपुर चौक में। ज्योतिपुर चौक की भूमि निजी है। इसे 1932 के पूर्व, स्वर्गीय श्री मेंजेस ने क्रय किया था और आजादी के उपरांत रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से संचालित उसके मालिक, एक संस्था ने 2020 से लेकर उसके प्रतिसंहरण तक श्री अतुल आर्थर के पक्ष में ₹पॉवर ऑफ अटॉर्नी₹ प्रदान की, जो कि वर्तमान में कानूनी रूप से लागू है। 2021 में स्वर्गीय श्री अजीत जोगी के स्वर्गवास के उपरांत उपरोक्त निजी आधिपत्य की भूमि के ₹पॉवर ऑफ अटॉर्नी₹ के आधार पर श्री अतुल आर्थर एवं सोसाइटी के सभी जीवित प्रमुखों, प्राचीनों एवं पादरियों ने उपरोक्त जमीन में प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा एवं उद्यान स्थापित करने हेतु अनापत्ति पत्र जारी किया था। ज्योतिपुर चौक की इसी जमीन पर चबूतरा एवं उद्यान निर्माण कार्य हेतु तत्कालीन विधायक डॉ श्रीमति रेणु जोगी ने उपरोक्त निजी भूस्वामी को इस शर्त पर 3.5 लाख अपनी विधायक निधि से प्रदान किए थे की चबूतरे में उनके द्वारा निर्मित स्वर्गीय अजीत जोगी की आदम कद प्रतिमा स्थापित की जाएगी और निर्माण कार्य की एजेंसी नगर पालिका गौरेला को नामांकित किया गया था। विधायक निधि से उपरोक्त अनुबंध में निजी आधिपत्य की भूमि में केवल चबूतरा एवं उद्यान का निर्माण कार्य नगर पालिका गौरेला द्वारा कराया जाना था तथा चबूतरा के ऊपर उनके परिवार के क्रय से निर्मित स्वर्गीय श्री अजीत जोगी की आदम कद मूर्ति स्थापना की जानी थी। इस संबंध में माननीय डॉ रेणु जोगी जी का जिलाधीश को लिखा 20 सितंबर 2023 का पत्र भी आपके समक्ष प्रस्तुत है।

न्यूज गैलरी

रायपुर-जबलपुर के बीच चलेगी नई इंटरसिटी एक्सप्रेस

रायपुर। जबलपुर स्थित मदन महल स्टेशन से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बीच एक नई इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन रोजाना संचालित की जाएगी। रेलवे ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

बता दें कि यह नई इंटरसिटी ट्रेन मदन महल से सुबह 6.10 बजे रवाना होगी और बालाघाट व गोंदिया होते हुए दोपहर 1.50 बजे रायपुर स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन रायपुर से दोपहर 2.45 बजे चलकर रात 10.30 बजे मदन महल पहुंचेगी। इस इंटरसिटी एक्सप्रेस से मदन महल और रायपुर के बीच का सफर महज 7 घंटे 40 मिनट में पूरा होगा। वर्तमान में, रायपुर से जबलपुर के बीच केवल अमरकंटक एक्सप्रेस संचालित होती है, जिसे यह दूरी तय करने में लगभग 9 घंटे लगते हैं। एक ही ट्रेन होने के कारण अमरकंटक एक्सप्रेस में अक्सर लंबी वेटिंग लिस्ट रहती है, जिससे यात्रियों को कंफर्म सीट मिलने में परेशानी होती है। नई इंटरसिटी के शुरू होने से यात्रियों को कंफर्म बर्थ मिलने में सुविधा होगी और उनके यात्रा समय में 2 घंटे 20 मिनट की बचत होगी।

तोमर बंधुओं का नहीं मिल रहा सुराग, उनके 25 गुर्गे भी फरार

रायपुर। मारपीट, सूदखोरी और अवैध हथियार के गंभीर मामलों में आरोपित वीरेंद्र और रोहित तोमर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए हैं। पुलिस इन दोनों भाइयों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया है। इनके नेपाल भागने की खबर है।

आरोपितों का पासपोर्ट भी नहीं मिल रहा है। वहीं सूदखोरी मामले में आरोपित बनाई गई दोनों की पत्नियों से भी अब तक पूछताछ नहीं हो पाई है। उनके घर में काम करने वाले, साथ में चलने वाले 35 में से 25 लोग गायब हैं। बताया जा रहा है कि इनके नाम पर करोड़ों की संपत्ति है। पैसों का अवैध लेन-देन इनके ही बैंक खाते में किया गया है। तोमर बंधुओं ने ब्याज के नाम पर लोगों से करोड़ों की वसूली की है। इसके अलावा कर्जदारों को डराकर उनकी संपत्ति की अपने नाम या अपने कर्मचारियों के नाम रजिस्ट्री कराई गई। इन कर्मचारियों के खातों में बड़ी रकम का ट्रांजैक्शन हुआ है, लेकिन सभी कर्मचारी अब गायब हैं। पुलिस इन खातों और संपत्तियों की जानकारी खंगाल रही है। वहीं काम करने वाले दूसरे राज्यों के हैं। इससे अब पुलिस का उन तक पहुंचना मुश्किल होगा।

मंत्री राजवाड़े ने किया सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह का निरीक्षण, बोली बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी है प्रेरणा

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बिलासपुर में स्थित गैर शासकीय संस्था सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह (विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिशु गृह में निवासरत बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और संस्था द्वारा प्रदान की जा रही देखभाल सुविधाओं की जानकारी ली।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के साथ समय बिताया और कहा, इन मासूम चेहरों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। ये बच्चे हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी हैं, और उनके सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए राज्य सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था द्वारा बच्चों के संरक्षण, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और पुनर्वास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दत्तक ग्रहण योग्य बच्चों के लिए कार्यरत ऐसी संस्थाएं समाज में सकारात्मक बदलाव की आधारशिला हैं।

सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह, एक मान्यता प्राप्त विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी है, जो परित्यक्त, अनाथ और असहाय बच्चों को आश्रय, देखभाल और सुरक्षित गोदन प्रक्रिया के माध्यम से नया परिवार प्रदान करती है। संस्था में बच्चों की उम्र के अनुसार पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी संस्थाओं को समय-समय पर तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाए ताकि बच्चों को बेहतर जीवनशैली मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को पारदर्शी, संवेदनशील और सरल बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है।

निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी, बाल संरक्षण इकाई के सदस्य एवं संस्था की संचालिका सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। सभी ने मंत्री को संस्था की कार्यप्रणाली एवं वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नेताम से की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समाजसेवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अरविंद नेताम से सौजन्य मुलाकात की। श्री नेताम को हाल ही में संघ मुख्यालय के प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लिए गौरव की बात बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन समाजों को और अधिक नजदीक लाने में सहायक होते हैं और जन-जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री नेताम ने अपने उद्बोधन में मतांतरण, विकास, पर्यावरण आदि जैसे जन सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विमर्श किया, जो समाज के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस अवसर पर डॉ. प्रीति नेताम एवं समाज के युवा नेता श्री विनोद नागवंशी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है श्री अरविंद नेताम ने राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यक्रम में कहा था कि नक्सलवाद और मतांतरण जैसी समस्याओं का समाधान संघ और समाज के सामूहिक प्रयास से ही संभव है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा नक्सलवाद पर की गई कार्यवाही की सराहना की, साथ ही कहा कि इसे जड़ से समाप्त करने की जरूरत है। विकास के संदर्भ में उन्होंने आदिवासी समाज की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने, भूमि अधिग्रहण की बजाय लीज पर देने और डिलिस्टिंग आंदोलन को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार से ठोस कानून बनाए जाने की अपेक्षा व्यक्त की थी।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज से फिर शुरू होगी हाईकोर्ट में सुनवाई

कोरोना नियमों का करना होगा पालन, कोर्ट प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

बिलासपुर। एक महीने के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सोमवार से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में फिर से कामकाज शुरू होने जा रहा है। इस बार माहौल थोड़ा अलग रहेगा, क्योंकि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कोर्ट प्रशासन ने सतर्कता बरतने की एडवाइजरी जारी की है। हाईकोर्ट के प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल खिलावन राम रिगरी ने सभी वकीलों, पक्षकारों, कोर्ट स्टाफ और अन्य आने-जाने वालों के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की अपील की है। जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि कोर्ट परिसर में मास्क, स्कार्फ या रूमाल से मुंह ढक कर ही आएं, सैनिटाइजर का नियमित उपयोग करें, कोर्ट परिसर में भीड़ न लगाएं तथा अनावश्यक जमावड़े से बचें। क्योंकि हाईकोर्ट में सोमवार से नियमित बेंचों की सुनवाई फिर शुरू हो रही है। इससे कोर्ट परिसर में वकीलों, मुवक्किलों और सरकारी अधिकारियों की आवाजाही बढ ? वाली है। इसलिए पहले से ही सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर 2.0 को बताया नीति-निर्माण का सशक्त मंच

00 आईआईएम रायपुर में मंत्रियों ने सीखी सुशासन और नेतृत्व की बारीकियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि 'चिंतन शिविर 2.0' जैसे प्रशिक्षण सत्र शासन को नया दृष्टिकोण और नीतिनिर्माण प्रक्रिया को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से मंत्रीगणों को सुशासन और परिवर्तनकारी नेतृत्व के महत्वपूर्ण गुर सीखने का अवसर मिलता है। आईआईएम रायपुर में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के प्रथम सत्र में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और राज्य के सभी मंत्रीगण शामिल हुए। इस सत्र में 'परिवर्तनकारी नेतृत्व', 'दूरदर्शी शासन', 'संस्कृति', 'सुशासन' और 'राष्ट्र निर्माण' जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने 'परिवर्तनकारी नेतृत्व एवं दूरदर्शी शासन' विषय पर अपने व्याख्यान में भगवद्गीता के श्लोकों के माध्यम से निष्काम कर्म और नैतिक प्रशासन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कार्य केवल फल की आशा से नहीं, बल्कि उसके सही होने के कारण किया जाना चाहिए। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने 'संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा, भारत की एकता केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भी है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या संसाधनों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से संभव है। उन्होंने अंत्योदय के महत्व पर बल देते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सुशासन की प्राथमिकता बताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि चिंतन शिविर जैसे आयोजन शासन को नई दिशा और ऊर्जा देते हैं। उन्होंने दोनों विशेषज्ञ वक्ताओं के विचारों को अत्यंत प्रेरणादायक और नीति-निर्माण के लिए उपयोगी बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के विशेष सचिव श्री रजत बंसल, भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के निदेशक श्री राम काकाणी और सभी मंत्रीगण उपस्थित थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जून महीने के अंत में छग के बस्तर प्रवास में मिलेंगे जवानों से

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों के नक्सल मोर्चे पर सुरक्षाबलों को लगातार मिल रही बड़ी कामयाबी के बीच बीते महीने अबूझमाड़ के गहरे जंगलों में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के शीर्ष कैडर के 10 करेड़ के ईनामी कुख्यात नक्सली बसव राजू को ढेर किया था। इस बड़ी सफलता के बाद शाह ने दिल्ली में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों को सम्मानित किया था और अब जवानों से मिलने स्वयं छत्तीसगढ़ के बस्तर के विशेष प्रवास पर आ रहे हैं । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जून महीने के अंत में छत्तीसगढ़ के बस्तर के अपने विशेष प्रवास पर पंहुचकर नक्सल ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों के जवानों से सीधी मुलाकात करेंगे और उनका हौसला बढ़ाएंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमित शाह के संभावित दौरे की पुष्टि करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दौरा केवल जवानों से मुलाकात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, विकास योजनाओं की प्रगति और प्रशासनिक ढांचे की मजबूती जैसे विषयों पर उच्चस्तरीय बैठकें भी होंगी। मिली जानकारी के अनुसार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की रणनीति और जमीनी कामयाबी को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में पहुंचकर यहां तैनात सुरक्षाबलों के जवानों की पीठ थपथपाएंगे। सूत्रों के अनुसार वे छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों के किसी नक्सल प्रभावित जिले में पहुंच सकते हैं, हालांकि जगह और तारीख को लेकर आधिकारिक घोषणा नही की गई है। इस विशेष बस्तर प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आईबी प्रमुख तपन डेका समेत सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रह सकते हैं। इससे नक्सल मोर्चे पर जारी रणनीति को और अधिक धार मिलेगी और आने वाले समय में नक्सली गतिविधियों को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ेंगे।

राजधानी की डॉ. अंजली बनी मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़

रायपुर। राजधानी रायपुर की रहने वाली डॉ. अंजलि पवार ने मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 का खिताब जीता है। अंजलि आने वाले महीनों में होने वाली मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी।अंजलि पेशे से डेंटिस्ट और मेडिटेशन टीचर भी है।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com